Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 220
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-रविवार,08 दिसम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

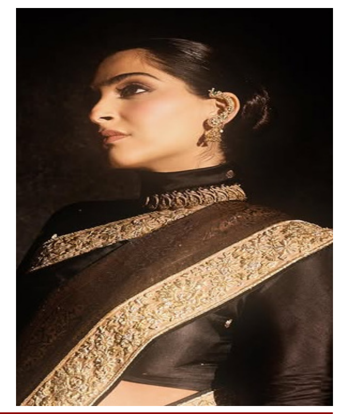

3 ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारी में जुटी योगी सरकार
4 बिग बॉस 19 में वोटिंग पर बड़ा सवाल, शिकायत से
5 ब्लैक बनारसी साड़ी में मॉम-टू-बी सोनम कपूर का रॉयल लुक, बेबी बंप

युवाओं के लिए योगी सरकार का फैसला

ब्लॉकों पर होगी भर्ती ,मिलेगी 25 हजार सैलरी

यूपी में 826 ब्लॉक करियर काउंसलर की भर्ती होगी

शिक्षकों को प्रशिक्षित भी करेंगे और अपने ब्लॉक के विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी में 826 ब्लॉक करियर काउंसलर की भर्ती होगी। हर ब्लॉक में एक करियर काउंसलर रखा जाएगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग संविदा पर इनकी भर्ती करेगा। हर महीने 25 हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी।करियर काउंसलर पद के लिए एमए मनोविज्ञान व करियर काउंसिलिंग में डिप्लोमाधारक आवेदन कर सकेंगे। राजकीय माध्यमिक स्कूलों व अशासकीय सहायता प्राप्त एडेड माध्यमिक स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों की करियर काउंसिलिंग करेंगे। छात्र मानसिक तनाव में हैं, तो उनकी मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग भी यह काउंसलर करेंगे। शिक्षकों को प्रशिक्षित भी करेंगे और अपने ब्लॉक के विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे। सरकारी माध्यमिक स्कूलों में छात्र रुचि के अनुसार किन क्षेत्रों में आगे करियर बना सकते हैं, इसकी जानकारी करियर काउंसलर देंगे।देश व विदेश में विभिन्न अच्छे पाठ्यक्रमों की उन्हें जानकारी देंगे। विद्यार्थियों को उनकी क्षमता व रुचि के अनुसार किस क्षेत्र में करियर बनाने का प्रयास करना चाहिए, इसके लिए मार्गदर्शन करेंगे। विद्यालय में पढ़ाई का बढ़ता बोझ और अभिभावकों का दबाव न सह पाने के कारण कई बार तनाव में आ जाते हैं। कई बार उचित मार्गदर्शन न मिलने के कारण वह गलत कदम भी उठा लेते हैं।ऐसे में उन्हें काउंसिलिंग की जरूरत होती है, जो शिक्षक नहीं कर पाते। सरकारी माध्यमिक स्कूलों के लिए हर ब्लॉक में एक करियर काउंसलर रखे जाएंगे, जिससे छात्रों को आसानी से मार्गदर्शन मिल सकेगा। प्रत्येक ब्लॉक में सरकारी माध्यमिक स्कूलों को सूचीबद्ध कर उनके यहां हर हफ्ते विशेष सत्र चलाया जाएगा। इसमें छात्र कॅरियर से संबंधित जानकारी हासिल कर सकेंगे। विद्यार्थियों को बताया जाएगा कि करियर बनाने की दौड़ में वह अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ न करें। तनाव प्रबंधन करें और योग करें। कभी भी दबाव में रहकर परीक्षा की तैयारी न करें। वह किस तरह दिनचर्या बनाएं, उन्हें टिप्स दी जाएगी। करियर काउंसलर करियर बनाने व मनोवैज्ञानिक समस्याएं दूर करने के साथ बताएंगे कि खेल, गीत व संगीत को किस तरह अपनी दिनचर्या में शामिल करें। इस तरह काउंसलर मागदर्शन करेंगे।करियर काउंसलर ऐसे छात्रों को शिक्षकों की मदद से चिह्नित करेंगे जो अकसर तनाव में रहते हैं। फिर उनसे वह अलग से बात करेंगे और यह जानने की कोशिश करेंगे कि आखिर किस तरह की समस्या उनके सामने आ रही है। ज्यादातर छात्र अपने अभिभावकों को समस्या बताने में झिझकते हैं। उनकी समस्या बढ़ती चली जाती है। काउंसलर की तैनाती होने पर ऐसे छात्रों के अभिभावकों को बुलाया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि किस तरह बच्चे के साथ व्यवहार करें, जिससे तनाव से दूर हो।

दिल्ली में एआई ग्राइंड चौलेंज की शुरूआत

छात्रों के बीच पहुंचे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला

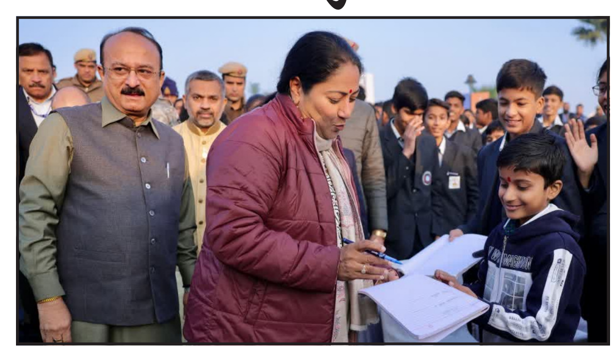

नई दिल्ली। अंतरिक्ष यात्री एवं भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में योगदान देने का आग्रह किया है। दिल्ली सरकार के एआई ग्राइंड चौलेंज की शुरूआत के अवसर पर रविवार को शुक्ला ने छात्रों से यह अपील की। उन्होंने छात्रों के साथ अंतरिक्ष में अपने अनुभव साझा किए और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) की भूमिका पर प्रकाश डाला। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुक्ला ने छात्रों से कहा, आप भविष्य हैं। मैं आपसे कार्य करने का आान करता हूं। आपको 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए काम करना होगा। इस साल की शुरूआत में, शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय बने। अठारह दिनों के मिशन के बाद वह 17 अगस्त को अमेरिका से भारत लौटे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि एआई ग्राइंड भारत का पहला शहर-केंद्रित एआई नवाचार इंजन है। गुप्ता ने कहा कि छह महीने तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली के स्कूलों, समुदायों और उद्योगों को एक साथ लाना है, ताकि वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान सहयोगात्मक रूप से विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पहल दिल्ली को एआई-आधारित नवाचार के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली एआई ग्राइंड भारत का पहला शहर-आधारित एआई नवाचार इंजन है।

सार संक्षेप

पालघर में कर्ज में डूबे व्यक्ति ने खुद को आग लगाकर की आत्महत्या

महाराष्ट्र । महाराष्ट्र के पालघर जिले में रविवार देर रात कर्ज में डूबे 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आग बुझाने की कोशिश में उसकी पत्नी और भतीजा भी झुलस गए। उन्होंने बताया कि घटना विरार इलाके के फुलपाडा में रात 12.40 बजे हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अखिलेश विश्वकर्मा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि वह जो इलाके में वेल्डिंग की दुकान चलाता था। विरार पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक एलएम तुरे ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक पिछले कुछ समय से आर्थिक तंगी और कर्ज के कारण अवसाद में था। उन्होंने बताया कि विश्वकर्मा ने कथित तौर पर अपने घर में खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। अधिकारी ने बताया कि उसे बचाने की कोशिश में उसकी पत्नी और भतीजा भी झुलस गए ।

कोई मसीहा नहीं था बाबर, बोले इकबाल अंसारी- उसके नाम पर न बनाओ कोई मस्जिद

अयोध्या। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद के पूर्व वादी इकबाल अंसारी ने पश्चिम बंगाल के बेलडांगा में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर द्वारा कथित रूप से बाबरी मस्जिद के नाम पर निर्माण की नींव रखे जाने को लेकर कहा कि यह कदम पूरी तरह चुनावी राजनीति से प्रेरित है और उनका मानना है कि बाबर के नाम पर कोई मस्जिद नहीं बननी चाहिए क्योंकि बाबर कोई मसीहा नहीं था। अंसारी ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 9 नवंबर 2019 को उच्चतम न्यायालय ने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद पर अपना अंतिम फैसला सुनाया था, जिसके बाद देशभर के मुसलमानों ने न्यायालय के निर्णय का सम्मान किया और अमन बनाए रखा। कोर्ट ने फैसला किया और पूरे देश में एक पत्ता भी नहीं हिला। यही इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि आज देश में इस मुद्दे को लेकर कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव नजदीक आते देख कुछ नेता फिर से मंदिर-मस्जिद की राजनीति शुरू कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव अब शुरू भी नहीं हुआ और बाबर के नाम की मस्जिद की याद आ गई। यह सिर्फ राजनीति है। देश को बांटने की कोशिश है। बाबर के संदर्भ में इकबाल अंसारी ने कहा कि बाबर न तो किसी का मसीहा था और न ही उसने इस देश में कोई ऐसा कार्य किया जो जनता, हिंदू-मुस्लिम या देशहित में हो।

रक्षा मंत्री ने लद्दाख में योक टनल का किया उद्घाटन

सुरक्षा और कनेक्टिविटी होगी और मजबूत

लेह। भारत की सीमाओं की सुरक्षा और कनेक्टिविटी को और अधिक मजबूत करने के लिए एक और बड़ा कदम उठाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लद्दाख में श्योक टनल से बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन के 125 रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। जानकारी के अनुसार, ये प्रोजेक्ट्स सात राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को लाभ पहुंचाएंगे। 920-मीटर लंबी कट एंड कवर श्योक टनल भारत की इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। यह टनल भूस्खलन और हिमस्खलन वाले क्षेत्रों में सैनिकों और नागरिकों की बिना रुकावट आवाजाही सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा, उद्घाटन किए गए अन्य प्रोजेक्ट्स लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम से जुड़े हैं। इन परियोजनाओं में 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य रणनीतिक सुविधाएं शामिल हैं। प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारे जवानों ने हमेशा जिस पराक्रम और वीरता का परिचय दिया है, वह हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। आज हम जिन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन कर रहे हैं, यह हमारे वीर जवानों को, राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि है। इन्हें राष्ट्र को समर्पित करते हुए मुझे अत्यंत गौरव महसूस हो रहा है।उन्होंने आगे कहा कि हमारी सेनाओं के बहादुर जवान और बीआरओ के कर्मी देश के लिए लगातार काम कर रहे हैं। किसी भी मौसम और किसी भी स्थिति में काम करने की उनकी प्रतिबद्धता का नतीजा है कि आज हमारा देश लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। श्योक टनल के उद्घाटन के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा, आज का कार्यक्रम बहुत खास है, क्योंकि हम लद्दाख में बनी एक अहम सुरंग का उद्घाटन कर रहे हैं। यह सुरंग दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर बनी है और इसकी लंबाई 920 मीटर है। यह दुनिया के सबसे दुर्गम और चुनौतीपूर्ण इलाकों में बनी एक इंजीनियरिंग उपलब्धि है। इसके माध्यम से इस स्ट्रैटेजिक क्षेत्र में सालभर अच्छी कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। भारी बर्फबारी, हिमस्खलन और कठोर मौसम में भी यह सुरंग सुरक्षा और आवाजाही की क्षमता को कई गुना बढ़ा देगी। खासतौर पर सर्दियों में सैनिकों की तैनाती और नागरिक आवाजाही के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने बताया कि केवल लद्दाख ही नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में भी कई और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स राष्ट्र को समर्पित किए जा रहे हैं। ये सभी 125 प्रोजेक्ट्स कुल मिलाकर लगभग 5,000 करोड़ रुपये के हैं। ठत्व के इतिहास में यह पहली बार है कि इतने महंगे और रणनीतिक प्रोजेक्ट्स का एक साथ उद्घाटन किया गया है। इन प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन से न केवल सीमा क्षेत्रों की सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि नागरिकों और सैनिकों के लिए आवाजाही और कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। यह भारत की सीमा सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

गोवा हादसे पर योगी ने जताया दुख, नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तरी गोवा के एक नाइट क्लब में बीती रात भीषण आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे पर सीएम योगी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा

कि गोवा के अरपोरा में एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं।ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। आप को बता दें कि उत्तरी गोवा के एक नाइट क्लब में भीषण आग लगने से घटना में 23 लोगों की मौत हुई है। जबकि हादसे में घायल दो ने रास्ते में दम दोड़ दिया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि उत्तरी गोवा के अरपोरा में स्थित बिर्च बाय रोमियो लेन नामक नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मृतकों में चार पर्यटक और 14 नाइट क्लब के कर्मचारी हैं जबकि सात अन्य की पहचान की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि घायल हुए छह लोगों का फिलहाल पणजी के निकट बम्बोलिम में स्थित गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आग लगने का कारण पता लगाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा,पुलिस और दमकल विभाग जांच कर रहे हैं और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नाइट क्लब ने अग्नि सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं किया था।

प्रधानमंत्री मोदी और उपराष्ट्रपति ने सशस्त्र बलों के प्रति जताया आभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अडिग साहस से काम करने के लिए रविवार को सशस्त्र बलों के प्रति गहरा आभार जताया। उन्होंने एक्सह्न पर लिखा, सशस्त्र बल झंडा दिवस पर, हम अडिग साहस के साथ हमारे राष्ट्र की रक्षा करने वाले साहसी पुरुषों और महिलाओं के प्रति गहरा आभार व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में भी योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, उनका अनुशासन, संकल्प और मनोबल लोगों की रक्षा करता है और हमारे राष्ट्र को मजबूत बनाता है। उनका समर्पण कर्तव्य,अनुशासन और राष्ट्र के प्रति भक्ति का एक शानदार उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने लोगों से सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में योगदान देने की अपील की।

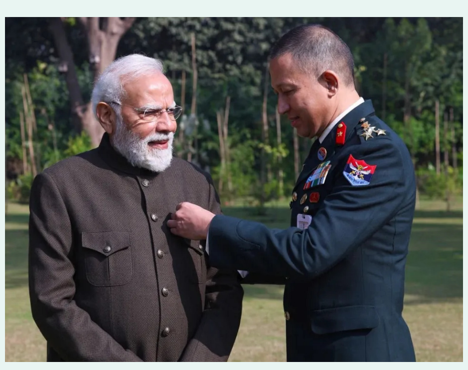

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में अपना पूरा एक महीने का वेतन दान किया। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, उपराष्ट्रपति ने सभी नागरिकों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में स्वेच्छा से योगदान देकर देश के सैनिकों, शहीदों और उनके परिवारों के प्रति सामूहिक रूप से कृतज्ञता व्यक्त करने की अपील की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गोवा नाइट क्लब में आग लगने से लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार देर रात गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से लोगों की मौत होने पर गहरा दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गोवा की राजधानी पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा गांव में स्थित लोकप्रिय पार्टी स्थल बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, उत्तरी गोवा जिले में हुई आग लगने की इस दुखद घटना से मुझे गहरी पीड़ा हुई है। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर उन्हें इस कठिन

समय में शक्ति प्रदान करे। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। गुप्ता ने कहा, गोवा के अरपोरा में हुई दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे और उनके परिजनों को इस कठिन समय में संबल दे। मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी प्रार्थना करती हूं।श्श गोवा में आम आदमी पार्टी की प्रभारी आतिशी ने एक्सश पर कहा कि गोवा सरकार को इस घटना में हुई चूक की तत्काल जांच कर जिम्मेदारी तय करनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने लिखा, गोवा में अरपोरा के एक नाइट क्लब में लगी भीषण आग की खबर अत्यंत दर्दनाक है। इस विनाशकारी हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस की उपनेता सागरिका घोष ने इस घटना को गोवा में डबल इंजन शासन मॉडल की पूरी तरह विफलता करार दिया। घोष ने लिखा, गोवा के अरपोरा में लगी आग में हुई मौतों की दुखद खबर से स्तब्ध और व्यथित हूं। दिवंगतों के लिए प्रार्थना करती हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं।

आप नेता बलतेज पन्नू का कांग्रेस से सवाल

क्या कांग्रेस में मुख्यमंत्री का चेहरा 500 करोड़ रुपये में बेचा गया था?

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के जनरल सेक्रेटरी और मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने पंजाब के गवर्नर से मुलाकात के बाद नवजोत कौर सिद्धू के सनसनीखेज खुलासों को लेकर कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया है। पन्नू ने कहा कि उनके बयानों ने इस कड़वी सच्चाई को सामने ला दिया है कि कांग्रेस कैसे काम करती है, लीडरशिप कैसे तय होती है, और कैसे निजी महत्वाकांक्षाओं और पैसे के सौदों के लिए पंजाब के हितों को किनारे रखा जाता है। पन्नू ने कहा कि नवजोत कौर सिद्धू ने दो चौंकाने वाले दावे किए हैं, एक यह कि नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब की

राजनीति में तभी दोबारा आएंगे जब कांग्रेस पहले उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करेगी, और दूसरा यह कि सिद्धू परिवार के पास देने के लिए 500 करोड़ रुपये नहीं हैं, जिसका मतलब है कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के लिए 500 करोड़ रुपये की डील जरूरी है।इन बातों को बहुत परेशान करने वाला बताते हुए, पन्नू ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस लीडरशिप सच में मुख्यमंत्री का चेहरा 500 करोड़ रुपये में बेचती है। उन्होंने कहा, अगर सिद्धू का दावा है कि उनके पास 500 करोड़ रुपये नहीं हैं, तो यह रकम कौन देता है? यह पैसा कहां जाता है? स्टेट यूनिट प्रेसिडेंट को? हाईकमान को? राहुल गांधी को या खड़गे को? पंजाब के लोगों को जवाब मिलना चाहिए। पन्नू ने याद दिलाया कि नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब कांग्रेस प्रेसिडेंट, एमपी, एमएलए और कैबिनेट मिनिस्टर रह चुके हैं। क्या ये पद भी खरीदे गए थे? क्या उन्हें थोड़ी सी रकम देकर कांग्रेस प्रेसिडेंट बनाया गया था? कांग्रेस में डिप्टी चीफ मिनिस्टर या मिनिस्टर बनने के लिए कितने करोड़ चाहिए?सिद्धू की कंडीशनल पॉलिटिक्स की आलोचना करते हुए पन्नू ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि सिद्धू का दावा है कि पंजाब के सुनहरे दिन तभी आएंगे जब सिद्धू को चीफ मिनिस्टर का चेहरा बनाया जाएगा।

कान्हा-भोरमदेव डिवीजन के लीडर कबीर समेत 10 नक्सलियों का सरेंडर

'2026 तक नक्सलवाद खत्म कर देंगे: CM मोहन

मध्य प्रदेश। बालाघाट में, कान्हा-भोरमदेव डिवीजन के लीडर कबीर समेत 10 नक्सलियों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में आत्मसमर्पण कर दिया। उट यादव ने इसे पुलिस की बड़ी सफलता बताया और संकल्प लिया कि जनवरी 2026 तक राज्य से नक्सलवाद को या तो खत्म कर दिया जाएगा या सभी नक्सली आत्मसमर्पण कर देंगे।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में, कान्हा-भोरमदेव डिवीजन के प्रमुख कबीर समेत 10 नक्सलियों ने रविवार को आत्मसमर्पण कर दिया। इसे राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियान के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। सीएम मोहन यादव का बड़ा संकल्प नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि उनकी पुलिस ने 'बहुत बड़ा काम' किया है। उन्होंने नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प दोहराते हुए कहा, 'हम कसम खाते हैं कि जनवरी 2026 तक, या तो नक्सली सरेंडर कर देंगे या हम उन्हें खत्म कर देंगे।' मुख्यमंत्री ने कहा कि कई नक्सलियों ने सरेंडर किया है और यह प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार का संकल्प है कि वे अपनी जमीन से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म कर देंगे।

ट्रॉफी के साथ पूर्वोत्तर रेलवे की महिला बास्केटबॉल खिलाड़ी

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी है। इसी क्रम में 04 से 07 दिसम्बर,2025 तक उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में आयोजित 64वीं उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल चैम्पियनशिप-2025 के फाइनल में पूवोत्तर रेलवे की महिला बास्केटबॉल टीम ने उत्तर प्रदेश पुलिस टीम को 36-29 अंको से पराजित कर चैम्पियनशिप जीतली। इस चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे सहित 18 टीमों ने भाग लिया। पूर्वोत्तर रेलवे की महिला बास्केटबॉल टीम की ओर से संगीता दास, अस्वति सी.पी., श्रुति यादव, शमा प्रवीण, संजू यादव, वृंदा वत्स एवं आँचल ने भाग लिया। इन खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से पूर्वोत्तर रेलवे को गौरवान्वित किया। महिला खिलाड़ियों की इन उपलब्धियों पर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर, अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह तथा सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह, बास्केटबॉल कोच श्री भवर सिंह एवं श्री आशुतोष तथा टीम मैनेजर श्री राजेश ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

शादी के बाद दुल्हन संग वृंदावन पहुंचे इंद्रेश

मथुरा। शादी के बाद कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय दुल्हन के साथ वृंदावन पहुंचे तो भव्य स्वागत किया गया। बैंडबाजे के साथ आतिशबाजी की गई। कथावाचक आचार्य इंद्रेश उपाध्याय का विवाह उपरांत शनिवार शाम वृंदावन

आगमन पर शानदार स्वागत किया गया। जैसे ही वे अपनी दुल्हन के साथ शहर पहुंचे पूरा माहौल उत्सवमय हो गया। बैंड-बाजे की धुनों, पुष्पवर्षा और जमकर हुई आतिशबाजी के बीच भक्तों और अनुयायियों ने उनका भव्य स्वागत किया। आचार्य इंद्रेश उपाध्याय का विवाह जयपुर में राजसी अंदाज में सम्पन्न हुआ था। इस विशेष समारोह में 101 ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ उनका विवाह संस्कार संपन्न कराया। विवाह कार्यक्रम में कई नामचीन हस्तियां संत-महात्मा और सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख शख्सियतें शामिल हुईं थीं।

आखिरकार श्रीप्रकाश जायसवाल के घर पहुंचे अजय राय

कानपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन उपरांत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पोखरपुर स्थित उनके निवास पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और कहा कि उनका निधन पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। कानपुर में पूर्व मंत्री पूर्व सांसद दिवंगत श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन उपरांत कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पोखरपुर स्थित श्रीप्रकाश जी के निवास पहुंचे। इस के बाद उनके बेटे गौरव जायसवाल और परिवार के अन्य लोगों से मुलाकात कर

अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्रीप्रकाश के निधन के बाद से ही यह चर्चा पूरे देश में चलने लगी थी कि कांग्रेस का कोई भी राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर का पदाधिकारी अपने पूर्व केंद्रीय मंत्री के निधन पर नहीं आया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ कानपुर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता समेत काफी संख्या में कांग्रेस नेता मौजूद रहे। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि श्रीप्रकाश जायसवाल का निधन कांग्रेस के लिए अपूरणीय क्षति है। देश और प्रदेश स्तर पर उनके नेतृत्व को और पार्टी के प्रति उनके समर्पण को सदैव याद किया जाएगा।राजनीति में जमीन से उठकर शिखर तक का उनका स्वर्णिम सफर कइयों के लिए प्रेरणा बनेगा। ये लोग रहे मौजूद प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता, ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला, देहात अध्यक्ष अम्बरीश सिंह गौड़, संजय दीक्षित, सोहेल अंसारी, संजीव दरियाबादी, नरेश त्रिपाठी, नौशाद आलम मंसूरी, मदन मोहन शुक्ला, रितेश यादव, दिलीप शुक्ला, अजय श्रीवास्तव शीलू, पद्मा मोहन मिश्रा, धर्मेंद्र चौहान, राकेश साहू, विनोद अवस्थी, लल्लन अवस्थी, टिल्लू ठाकुर, प्रभात मिश्रा, राजीव द्विवेदी, शक्ति पांडे, विकास सोनकर आदि थे।

बभनान में 20 ओवरलोड ट्रालों का चालान

बभनान। नगर पंचायत बभनान में गन्ना ढुलाई के दौरान ओवरहाईट ट्रॉलों की मनमानी और सड़क जाम की समस्या को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए। डीएम कृतिका ज्योत्सना के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी हरैया स्वर्णिमा सिंह व सहायक कर अधिकारी प्रदीप श्रीवास्तव की टीम ने बभनान-हरैया मार्ग पर गन्ना लदे 20 ओवरहाइट वाहनों का चालान काटा। इस दौरान तीन गन्ना लदे ट्रक को सीज करते हुए थाने भेजा गया और 12 ओवर हाइट ट्रालों का चालान कर 85 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। टीम ने ओवर हाइट ट्रॉलों से कागजात मांगे, लेकिन किसी ने भी वैध कागजात पेश नहीं किए। उधर, छावनी थाना क्षेत्र के चौकड़ी टोल प्लाजा पर शनिवार को गन्ना लदे वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर आठ ओवर हाइट वाहनों का चालान किया गया। आरटीओ बस्ती रविशंकर शुक्ल ने बताया कि शिकायत के आधार पर जांच में मानक के विरुद्ध ट्रालों को गन्ना ढुलाई में इस्तेमाल करते पाया गया। कहा कि ओवरहाइट ट्रैक्टर-ट्रालियों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

गांजा तस्कर को 15 वर्ष और तीन सहयोगियों को 10-10 वर्ष की कैद

बस्ती। अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय के न्यायाधीश विजय कुमार कटियार ने 13 मई को गिरफ्तार किए गए अरुणाचल प्रदेश से 1.30 क्विंटल गांजा लाकर बेचने वाले चार तस्करों को सजा सुनाई है। मुख्य आरोपी दोषी सूरज को 15 वर्ष कठोर कारावास और तीन लाख रुपये अर्थदंड अदा करने का हुक्म दिया है। तीन सहयोगियों को 10-10 वर्ष कठोर कैद व दो-दो लाख रुपये अर्थदंड अदा करना होगा। अभियोजन के अनुसार लालगंज थाने की पुलिस ने 13 मई 2025 को स्वाट टीम के साथ छापा मारकर लालगंज थानाक्षेत्र के शोभनपार ईंट-भट्ठे के पास दबिश देकर ट्रक व कार में छिपाए 105 पैकेट में करीब एक क्विंटल 30 किलोगांजा, एक कार, पिस्टल, करीब एक लाख रुपये नकदी बरामद किया था।

1.62 लाख वाहनों का पंजीकरण होगा निरस्त

कानपुर। कानपुर में पांच या पांच से अधिक बार नियम तोड़ने वाले 1.62 लाख वाहनों का पंजीकरण रद्द करने की यातायात पुलिस ने

सिफारिश की है। इस पर एआरटीओ ने आपत्ति जताते हुए वाहन मालिकों को नोटिस भेजकर उनका पक्ष पूछने का निर्देश दिया है, जिससे यह कार्रवाई फिलहाल अटक गई है। कानपुर में कई बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 1.62 लाख वाहनों की यातायात पुलिस ने सूची तैयार की। इन वाहनों का पंजीकरण निरस्त करने के लिए विभाग ने एआरटीओ कार्यालय में सिफारिश की है। वहीं, एआरटीओ की ओर से पुलिस को भेजे गए जवाबी पत्र में वाहन स्वामियों का अपना पक्ष रखने के लिए पहले नोटिस जारी करने के लिए कहा गया। ऐसे में इन वाहनों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई फिलहाल ठंडे बस्ते में चली गई है। यातायात नियमों का पालन कराने के लिए व्यस्ततम चौराहों पर यातायात पुलिस को तैनात किया गया है। इसके बावजूद जल्दबाजी में निकलने की होड़ में लोग यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। इस पर यातायात पुलिस ने जनवरी से लेकर नवंबर तक 1.62 लाख ऐसे वाहनों को चिह्नित किया जो पांच या पांच से अधिक बार यातायात नियमों का उल्लंघन कर चुके हैं। सभी वाहनों की सूची बनाकर इनका पंजीकरण निरस्त करने के लिए एक पत्र आरटीओ कार्यालय को भेजा गया। एआरटीओ प्रशासन को कोई जवाब नहीं दिया लेकिन परिवहन विभाग के अधिकारियों ने इस पर आपत्ति कर दी। एआरटीओ प्रशासन आलोक सिंह की ओर से यातायात पुलिस को पत्र भेजकर कहा गया कि सभी वाहनों का एक साथ पंजीकरण निरस्त नहीं किया जा सकता है। वाहन मालिकों को नोटिस भेजकर उनका पक्ष पूछा जाए। उनको चालान की जानकारी है या नहीं सहित अन्य बिंदुओं को भी शामिल किए जाए। इसके बाद यातायात पुलिस की ओर से फिलहाल एआरटीओ प्रशासन को कोई जवाब नहीं दिया गया। नौबस्ता-हमीरपुर हाईवे में सबसे ज्यादा भारी वाहनों के चालान नौबस्ता-हमीरपुर हाईवे पर भारी वाहनों को आवागमन ज्यादा और सड़क संकरी होने की वजह से आए दिन हादसे होते हैं। यही वजह है कि पिछले साल मौत के मामले में यह हाईवे सबसे आगे था। इसके चलते यातायात पुलिस ने यहां पर सख्ती शुरू की। एक जनवरी से लेकर अक्तूबर तक अनुमानित 10 हजार वाहनों का चालान काटा गया है। आंकड़ों पर एक नजर जिले में कुल गाड़ियों की संख्या- 22 लाख। पांच मुख्य राजमार्गों से निकलते हैं 18 हजार वाहन। जीटी रोड पर हैं 19 रेलवे क्रॉसिंग जहां लगता है जाम।आरटीओ कार्यालय को 1.62 लाख वाहनों की सूची भेजकर पंजीकरण निरस्त करने के लिए कहा गया है। यह सभी वाहन सवार बार-बार नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। - रविंद्र कुमार, डीसीपी, यातायात यातायात पुलिस की ओर से 1.62 लाख वाहनों की सूची आई थी। पुलिस को पत्र भेजकर कहा गया है कि पंजीकरण निरस्त करने से पहले वाहन मालिकों का पक्ष जानना जरूरी है।

इलेक्ट्रॉल पीने से मासूम की मौत, मां और चचेरा भाई गंभीर

कानपुर। मतईयापुरवा में शनिवार सुबह इलेक्ट्रॉल घोल पीने से चार साल के मासूम की मौत हो गई। वहीं, उसकी मां और चचेरा भाई गंभीर रूप से बीमार हैं। पुलिस ने इलेक्ट्रॉल के पैकेट को साक्ष्य के रूप में कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। कानपुर में काकादेव थाना क्षेत्र के मतईयापुरवा इलाके में शनिवार सुबह इलेक्ट्राल पीने से चार साल के मासूम की मौत हो गई। वहीं, उसकी मां और चचेरे भाई की हालत बिगड़ गई। परिजनों ने गंभीर हालत में दोनों को कल्याणपुर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने इलेक्ट्राल के पैकेट और बोतल को साक्ष्य के रूप में एकत्रित किया। इसके बाद मासूम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मतईयापुरवा नई बस्ती के रहने वाले आशु राजपूत एक दोना-पत्तल की

फैक्टरी में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार की सुबह पत्नी मोहिनी की तबीयत खराब थी और उसे उल्टियां हो रही थीं। इस पर वह मेडिकल स्टोर से दवा और इलेक्ट्रॉल लेकर आए। आशु ने बताया कि सबसे पहले उन्होंने बोतल में इलेक्टॉल घोला। सभी को तेज उल्टियां होने लगीं इसके बाद पत्नी को एक गिलास में इलेक्ट्रॉल दिया और खुद पिया। फिर उसी इलेक्ट्रॉल घोल को उन्होंने अपने बेटे कृष्णा राजपूत (4) को दिया। इसके साथ ही छोटे भाई के बेटे गगन को भी वही घोल पिलाया गया। इसके बाद में फैक्टरी चले गए बताया कि कुछ देर बाद आंसू को छोड़ कर तीनों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। सभी को तेज उल्टियां होने लगीं और उनकी हालत लगातार खराब होने लगी। मोहनी और गगन की हालत अभी भी गंभीर पत्नी मोहिनी ने घटना की जानकारी तुरंत आंसू को दी तो वह घर पहुंचा और तुरंत सभी को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने कृष्णा को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। आशु ने बताया कि पत्नी मोहनी और भतीजा गगन की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। सूचना मिलने पर काकादेव पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

राम मंदिर के शिखर पर हो गया ध्वजारोहण मस्जिद की नींव तक नहीं पड़ी

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण संपन्न हो गया। दूसरी तरफ मस्जिद की अभी तक नींव तक नहीं पड़ी है। सुप्रीम

कोर्ट के आदेश पर पांच एकड़ जमीन आवंटित की गई है। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन और प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों मुख्य शिखर पर ध्वजारोहण भी हो गया। लेकिन, मस्जिद की अब तक नींव भी नहीं पड़ सकी है। राम मंदिर से 25 किलोमीटर दूर सोहावल के धन्नीपुर में प्रस्तावित स्थल पर मस्जिद के निर्माण शुरू होने में अभी और समय लग सकता है। इसके पीछे वजह है कि इसका नक्शा भी अब तक स्वीकृत नहीं कराया जा सका है। मस्जिद ट्रस्ट ने पुरानी डिजाइन में भी बदलाव कर दिया है। अब नए सिरे से नक्शा पास कराने के लिए 31 दिसंबर को आवेदन किए जाने की तैयारी है। इसके पहले नक्शा पास करवाने के लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण में दाखिल आवेदन स्वतः निरस्त हो चुका है। इसके पीछे की प्रमुख वजह आवेदन से जुड़ी प्रक्रियाओं को ट्रस्ट की ओर से पूरा न किया जाना रहा। मस्जिद निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित है सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रदेश सरकार ने सोहावल के धन्नीपुर गांव में मस्जिद निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित की है। यहां पर इस समय खुला मैदान है। इस पर बच्चे क्रिकेट खेलते हैं और जानवर घास चराते हैं। इसी जमीन के एक हिस्से में मजार स्थापित है। इसमें जायरीन आते हैं और जियारत करते हैं। शिक्षा केंद्र और कैंसर अस्पताल भी शामिल इस प्रस्तावित स्थान पर ट्रस्ट ने एक एकड़ क्षेत्र में मस्जिद का निर्माण प्रस्तावित किया है। जबकि, शेष चार एकड़ में अन्य सामुदायिक निर्माण किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

देश भर में कुल 2,364 किसान रेल सेवाएँ चलाई गई

गोरखपुरः केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया की सब्ज़ियों, फलों और दूसरी खराब होने वाली चीजों की आवाजाही के लिए संभावित सर्किट की पहचान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और राज्य सरकारों के कृषि/पशुपालन/मत्स्य पालन विभागों के साथ-साथ स्थानीय निकायों और एजेंसियों, मंडियों आदि के साथ सलाह करके की जाती है, और ऑपरेशनल फि ज़िबिलिटी को ध्यान में रखते हुए, माँग के आधार पर लागू टैरिफ पर सेवाओं की योजना बनाई जाती है। 7 अगस्त, 2020 को किसान रेल सेवा शुरू होने के बाद से, देश भर में कुल 2,364 किसान रेल सेवाएँ चलाई गई हैं, जिनसे लगभग 7.9 लाख टन खराब होने वाली चीजों का परिवहन हुआ है और लगभग 318.68 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिला है। आंध्र प्रदेश से असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और त्रिपुरा की ओर, 116 सेवाएँ चलाई गई हैं, जिनमें केले, आम, प्याज आदि सहित 34,196 टन खराब होने वाली चीजों का कंसाइनमेंट पहुँचाया गया है।

भारतीय रेल का प्रयास : यात्रियों को अच्छी क्वालिटी और साफ-सुथरा खाना मिले

गोरखपुरः केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया की रेलवे हर साल एवरेज लगभग 58 करोड़ लोगों को खाना सर्व करता है। एवरेज सिर्फ.0.0008% शिकायतें ही मिलती हैं। इन शिकायतों की जांच के आधार पर, पिछले चार सालों में 2.8 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया। भारतीय रेल की लगातार कोशिश रहती है कि सफर करने वाले यात्रियों को अच्छी क्वालिटी और साफ-सुथरा खाना मिले। इसलिए, भारतीय रेल समय-समय पर यात्रियों को खाने और सर्विस की क्वालिटी सुधारने के लिए जरूरी कदम उठाती है। गुणवत्ता, सफाई और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैंः - नामित बेस किचन से ही भोजन की आपूर्ति। चिन्हित स्थानों पर आधुनिक बेस किचन की शुरूआत। भोजन तैयार करने की बेहतर निगरानी के लिए बेस किचन में सीसीटीवी कैमरे लगाया गया है। खाद्य उत्पादन के लिए खाना पकाने के तेल, आटा, चावल, दालें, मसाला आइटम, पनीर, डेयरी उत्पाद आदि जैसे लोकप्रिय और ब्रांडेड कच्चे माल की शॉर्टलिस्टिंग कर उपयोग किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा और सफाई प्रथाओं की निगरानी के लिए बेस किचन में खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षकों की तैनाती की गयी है। ट्रेनों में आईआरसीटीसी सुपरवाइजर की तैनाती की गयी है। भोजन के पैकेटों पर क्यूआर कोड की शुरूआत, जिससे किचन का नाम, पैकेजिंग की तारीख आदि जैसे विवरण प्रदर्शित हो सकें। बेस किचन और पेंट्री कार में नियमित गहरी सफाई और आवधिक कीट नियंत्रण की व्यवस्था की गयी है। ट्रेनों में खाने की क्वालिटी पक्का करने के लिए इंस्पेक्शन और मॉनिटरिंग सिस्टम के हिस्से के तौर पर सैंपलिंग की जा रही है। पैंट्री कार और बेस किचन में खाने की साफ-सफाई और क्वालिटी की जांच के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट किया जाता है। कस्टमर सैटिस्फैक्शन सर्वे भी किया जाता है। रेलवे/आईआरसीटीसी के अधिकारी, जिसमें फूड सेफ़्टी ऑफि सर भी शामिल हैं, रेगुलर और सरप्राइज इंस्पेक्शन करते हैं। आईआरसीटीसी कैटरिंग स्टाफ की स्किल बढ़ाने के लिए रेगुलर ट्रेनिंग देता है, जिसमें कस्टमर सर्विस एरिया जैसे बातचीत, अच्छा व्यवहार, सर्विस स्टैंडर्ड, पर्सनल ग्रूमिंग और साफ-सफाई पर ध्यान दिया जाता है। पैसेंजर का फीडबैक लेने के लिए, पिछले कुछ सालों में रेलमदद पोर्टल शुरू करके इंडियन रेलवे में कंप्लेंट मैनेजमेंट सिस्टम को मजबूत, आसान और ज्यादा आसान बनाया गया है। रेलमदद पोर्टल शुरू होने के साथ, इंडियन रेलवे ने पैसेंजर को शिकायतें और सुझाव दर्ज करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम दिया। अगर ट्रेनों में खाने की क्वालिटी से जुड़ी कोई भी पैसेंजर शिकायत मिलती है, तो सर्विस में कमी के लिए सर्विस प्रोवाइडर के खिलाफ तुरंत और सही सजा देने वाली कार्रवाई की जाती है।

डॉक्टर व गैरहाजिर कर्मियों का कटेगा एक दिन का वेतन

बस्ती। एक चिकित्सक सहित गैर हाजिर अन्य कर्मियों का एक दिन का वेतन कटेगा। सीएमओ डॉ. राजीव निगम के निरीक्षण में यह कर्मी ड्यूटी से गैर हाजिर मिले थे। सीएमओ ने स्पष्टीकरण मांगने के साथ एक दिन का वेतन काटे जाने का आदेश जारी किया है। सीएचसी रुधौली के निरीक्षण में डेंटल सर्जन डॉ. अमित कुमार, वार्ड ब्वॉय रूचि पाठक, चौकीदार श्याम राज पाठक, एसटीएलएस अरशद अली गैर हाजिर मिले थे। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर दसिया, रुधौली की सीएचओ कोमल त्रिपाठी व एएनएम पूजा पटेल और निर्मला चौधरी जांच में गैर हाजिर मिली थीं। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सरैया साऊंघाट की सीएचओ दीपिका भारती, एएनएम रीना भारती जांच के समय गैर हाजिर मिली थीं। इन सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर ताला लटकता हुआ मिला था। उक्त कर्मियों को अनुपस्थित मानते हुए एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया गया है।

10 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया

बस्ती। बाल श्रम के विरुद्ध चलाए गए अभियान के तहत पुलिस और श्रम विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को 10 बाल श्रमिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। इस दौरान बाल श्रम कराते पाए गए बच्चों को तत्काल सुरक्षा में लिया गया और सेवा नियोजक के खिलाफ श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने रिपोर्ट दर्ज की। अभियान में थाना एएचटी प्रभारी विनय पाठक, श्रम प्रवर्तन अधिकारी नागेंद्र त्रिपाठी और चाइल्डलाइन के सदस्य शामिल थे।

एसआईआर फीडिंग में लगे कर्मचारी

बस्ती। एसआईआर फॉर्मों की फीडिंग में पूर्व में हुई त्रुटियों के सुधार के लिए अलग से कर्मी लगाए गए हैं। अधिकांश विभागों के कंप्यूटर ऑपरेटर और अन्य डाटा कर्मी को फीडिंग के लिए लगाया गया है। सुबह से शाम तक विकास भवन के सभागार में फीडिंग कर रहे। बताया गया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत घर-घर जो फार्म दिए गए थे। उसको भरकर बीएलओ को दे दिया गया। फीडिंग की बारी आई तो प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणी में फीडिंग शुरू हुई, लेकिन प्रथम और द्वितीय श्रेणी के पोर्टल में तकनीकी समस्या आने पर खुल नहीं रहा था। ऐसे में सभी फार्म तृतीय श्रेणी में कर दिए थे। नया पोर्टल अपडेट होने पर अब सुधार करते हुए प्रथम और द्वितीय श्रेणी में फीडिंग कर रहे।

50 स्कूलों में सेनेटरी वेडिंग मशीन एवं इंसीनरेटर लगेंगे

बस्ती। जिले के 50 विद्यालयों में इंसीनरेटर (सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन) लगाई जाएगी। ताकि बालिकाओं को किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े। स्कूल में ही प्रयुक्त सेनेटरी पैड को इंसीनरेटर मशीन के प्रयोग से नष्ट किया जाएगा। इस पर करीब 2.10 लाख रुपये खर्च होंगे। अधिकारियों का कहना है कि बालिका शिक्षा की स्थिति को सुधारने एवं उनको गुणवत्तापरक प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर कई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

वापस मोटा हो जाऊंगा रोहित शर्मा ने केक खाने से किया मना; फिटनेस पर दे रहे ध्यान

विशाखापत्तनम। रोहित शर्मा मैदान के अंदर और बाहर अपने मजाकिया अंदाज के लिए प्रसिद्ध हैं और ऐसा ही कुछ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद देखने मिला। रोहित अपनी फिटनेस को लेकर भी काफी सजग हो रहे हैं और उन्होंने इस कारण केक खाने से भी मना कर दिया। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपनी फिटनेस पर अधिक ध्यान दे रहे हैं क्योंकि उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले लिया है। रोहित ने जब से टेस्ट क्रिकेट खेलना छोड़ा है, उन्होंने फिटनेस को लेकर सतर्कता बरती है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया था कि रोहित अब तक 10 किलो वजन घटा चुके हैं। रोहित अपनी फिटनेस को लेकर कितने गंभीर हैं इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में जीत के बाद उन्होंने केक खाने से भी मना कर दिया।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारी में जुटी योगी सरकार

लखनऊ(संवाददाता)। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी से पहले राज्य सरकार प्रदेश में नए निवेशक लाने का प्रयास कर रही है। इन्वेस्ट यूपी का एक प्रतिनिधिमंडल मौजूदा समय में सिंगापुर से निवेश जुटाने और नए निवेशकों को यूपी में निवेश करवाने के लिए दौरा कर रहा है। राज्य सरकार के प्रतिनिधि ने आईटी इलेक्ट्रॉनिक्स, जीसीसी और फाइनेंशियल सेक्टर में निवेश लाने के लिए सिंगापुर के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें निवेश के लिए आमंत्रित किया। अब इन्वेस्ट यूपी निवेश यात्रा को और आगे बढ़ाने में जुट गया है। इन्वेस्ट यूपी के अधिकारी जल्द जापान और दक्षिण कोरिया का भी दौरा कर सकते हैं।नए निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार जल्द खाली पड़ी जमीनों के लिए बायबैक पॉलिसी लाने की तैयारी कर रही है। बायबैक पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। औद्योगिक क्षेत्रों और औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में खाली पड़ी जमीनों को इंडस्ट्री विभाग पहले से आवंटित निवेशकों से खरीदकर उन जमीनों को नए निवेशकों को देगा। औद्योगिक क्षेत्रों का सर्वे इंडस्ट्री विभाग करवा रहा है। इसमें सामने आया है कि 25 प्रतिशत से अधिक इंडस्ट्रियल प्लॉट खाली है।दक्षिण कोरिया और जापान का दौरा करने के पीछे इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों का खास मकसद है। उनका प्रयास होगा कि इन दोनों देशों से सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन और आईटी इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में नए निवेश को लाया जा सके। इन दोनों देशों का राज्य सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया था, जिसमें इन सेक्टर में कई कंपनियों ने निवेश के लिए अपनी रुचि दिखाई थी। जापान के एक प्रतिनिधिमंडल ने यूपी का दौरा किया था। जापान ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में काफी काम कर रहा है। यूपी सरकार ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर को बढ़ावा दे रही है। ग्रीन हाइड्रोजन पर रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए यूपी में दो नए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस खोलने की तैयारी है। निवेश के लिए आने वाली कंपनियों को राज्य सरकार नया लैंडबैंक मुहैया करवाने की तैयारी कर रही है।

ईदगाह में 195वां निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आयोजन

लखनऊ(संवाददाता)। मानवता की बुनियाद समाज सेवा के जज्बे से हमवार होती है। खुदा पाक के बन्दों की सेवा करना एक बहुत अच्छा कार्य है जो हर इन्सान को व्यक्तिगत एवं सामूहिक तौर पर समाज के लिए अंजाम देना चाहिए। यह कार्य न सिर्फ मानवता की तामीर व तरक्की का कारण बल्कि इस नेक कार्य से व्यक्ति के व्यक्तित्व में भी निखार पैदा होता है। इन ख्यालात का इज़्हार इमाम ईदगाह लखनऊ व काजी शहर मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया, मैक्स हास्पिटल और काइंड हस्पिटल के सौजन्य से दारुल उलूम फरंगी महल ईदगाह लखनऊ में आयोजित मासिक निःशुल्क चिकित्सा कैम्प के सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जरूरत मन्दों और गरीबों की सहायता व सहयोग करना इस्लाम की शिक्षा व हिदायत पर अमल करना है। समाज सेवा जैसे नेक काम के नमूने हमको रसूले पाक सल्ल0 की सीरत और सहाबा रजि0 के हालात में बहुत मिलते हैं। मौलाना ने कहा कि इस्लामिक सेन्टर के अन्तर्गत इस निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आरम्भ मौलाना अबु तैय्यब अहमद मियाँ फरंगी महली की सरपरस्ती में सन- 2000 में हुआ था। आज 195वाँ कैम्प था। यह हर महीने की पहली इतवार को लगता है। इस कैम्प से बिना किसी धार्मिक भेद भाव के हजारों लोग लाभ उठा चुके हैं। यहाँ निःशुल्क चश्मे दिये जाते हैं। ब्लड प्रेशर, शूगर, थाईराइड, स्त्री रोग इत्यादि की जाँच और निःशुल्क दवाएँ दी जाती हैं। इस कैम्प में काइन्ड हास्पिटल की पूरी टीम, मैक्स हास्पिटल की पूरी टीम, वेग आई सेन्टर की पूरी टीम, उवैस अहमद, और अम्बर ट्रस्ट के जुबैर अहमद किदवई ने अपनी अपनी सेवाओं को अंजाम दिया। मेहमानों का स्वागत मौलाना गुफ़रान अहमद शमसी ने किया और शुक्रिया मौलाना अब्दुल लतीफ ने अदा किया।

संक्षिप्त खबरें

अगर टीएमसी ने बाबर के नाम पर एक भी ईंट रखी गई तो भाजपा उसे उखाड़ फेंकेगी: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ(संवाददाता)। तृणमूल कांग्रेस से निकाले गए विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम पर एक मस्जिद की नींव रखी है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा बयान दिया है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह सब टीएमसी की नौटंकी है वहां भाजपा की सरकार आने पर बाबर के नाम पर एक भी ईंट रखी गई तो उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। आप को बता दें कि सस्पेंड टीएमसी एमएलए हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद जिले में बेलडांगा में सटे इलाके में सैकड़ों समर्थकों के साथ प्रतीकात्मक तौर पर फीता काटकर मस्जिद की नींव रखी है। हुमायूं कबीर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर सीट से विधायक हैं। वह पिछले कई दिनों से दावा करते रहे हैं कि 6 दिसंबर को वो भरतपुर के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनवाने के लिए नींव रखेंगे। पार्टी से निष्कासित होने के बाद हुमायूं कबीर ने कहा था कि वह मस्जिद जरूर बनवाएंगे। उन्होंने 22 दिसंबर को एक नई पार्टी बनाने की घोषणा भी की है। 4 दिसंबर को तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूं कबीर को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पार्टी का कहना था कि वह सांप्रदायिक राजनीति कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब हुमायूं कबीर के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई हुई है. वह पार्टी लाइन के खिलाफ पहले भी बोल चुके हैं। फिलहाल बाबरी मस्जिद बनाने के दावे को लेकर बीजेपी टीएमसी पर हमला वार है।

विद्युत बिल राहत योजना में बढ़ा बड़ा लाभ

लखनऊ(संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विद्युत बिल राहत योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को एक और बड़ी राहत प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पहले 31 मार्च के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने मंत्री श्री शर्मा से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, किंतु काफी बकाया शेष है, इसलिए उन्हें भी योजना का लाभ दिया जाए।उपभोक्ताओं की इस पीड़ा और वास्तविक स्थिति को समझते हुए ऊर्जा मंत्री ने संवेदनशीलता के साथ अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिए कि ऐसे उपभोक्ताओं को योजना के लाभ से वंचित न किया जाए। सरकार का उद्देश्य अधिकतम लोगों को राहत देना है, इसलिए भुगतान कर चुके किन्तु अब भी बकायेदार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ मिलना चाहिए। अब 30 नवंबर तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी।जनहित में लिए गए इस महत्वपूर्ण फैसले से प्रदेशभर के उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने जनता की परेशानी को समझा और राहत प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया है। सरकार का कदम उपभोक्ता हित और संवेदनशील प्रशासन की स्पष्ट मिसाल है।

पेंशनर्स दिवस को पेंशनर्स जिलाधिकारी को सौंपेंगे ज्ञापन

लखनंऊ(संवाददाता)। संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के संयोजक एन पी त्रिपाठी, सह संयोजक क्षमा नाथ दुबे व सह संयोजक प्रचार ओंकार नाथ तिवारी ने समिति द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के सभी पेंशनर्स जिला मुख्यालय पर 17 दिसंबर को आयोजित होने वाले पेंशनर्स दिवस पर जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री भारत सरकार से मांग करेंगे कि आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की शर्तों में कर्मचारियों के वेतन भत्तों की भांति ही पेंशनरों की पेंशन बढ़ोतरी पर विचार का बिन्दु भी शामिल किया जाए। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा 3 नवंबर 2025 को केंद्रीय आठवें वेतन आयोग के गठन संबंधी जारी अधिसूचना में पेंशनरों की पेंशन बढ़ोतरी का प्रकरण शामिल नहीं है. चूँकि प्रदेश सरकार के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्रीय समानता के आधार पर ही सुविधायें अनुमन्य हैं इसलिए केंद्रीय आठवें वेतन आयोग के विचार बिंदु में प्रकरण शामिल न होने से उनमें असंतोष उत्पन्न होना स्वाभाविक है। संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के संयोजक एन पी त्रिपाठी ने बताया कि इन्हीं बिंदुओं पर विचार हेतु गत 21 नवंबर को सभी 16 घटक संगठनों के प्रांतीय एवं मंडलीय पदाधिकारियों की बैठक आहूत की गई थी और यह निर्णय लिया गया था कि प्रदेश के सभी पेंशनर्स आगामी 17 दिसंबर को जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजेंगे।सह संयोजक प्रचार ओंकार नाथ तिवारी ने बताया कि सभी जनपदों में प्रचार प्रसार का कार्य जोरों पर है और सभी पेंशनर्स 17 दिसंबर को एकजुट होकर ज्ञापन के माध्यम से आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की शर्तों में पेंशन पुनरीक्षण का बिंदु भी शामिल किए जाने की मांग करेंगे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर आज 26 उड़ानें रद्द,इंडिगो की अव्यवस्था पांचवें दिन भी जारी

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ में इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में जारी अव्यवस्था रविवार को भी बनी रही। लगातार पांचवें दिन लखनऊ एयरपोर्ट से विभिन्न शहरों के लिए आने-जाने वाली कुल 26 उड़ानें रद्द कर दी गईं। यह अव्यवस्था इंडिगो एयरलाइंस के पायलटों का ड्यूटी समय कम किए जाने के कारण उत्पन्न हुई है। पायलटों की अनुपलब्धता के चलते प्रतिदिन दर्जनों उड़ानें रद्द हो रही हैं, जिससे एयरलाइन के संचालन पर व्यापक असर पड़ा है। इन रद्दीकरणों के कारण हजारों यात्री अपने गंतव्यों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कई यात्रियों ने शिकायत की है कि ऑनलाइन सिस्टम पर उड़ानें सामान्य दिखाई जा रही थीं और बोर्डिंग पास भी डाउनलोड हो रहे थे, लेकिन एयरपोर्ट पहुंचने पर उन्हें रद्द होने की सूचना मिली। यात्रियों का आरोप है कि उन्हें न तो अग्रिम सूचना दी जा रही है और न ही टिकटों का रिफंड मिल रहा है। कई यात्री जो शादी, मीटिंग या अन्य आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा कर रहे थे, वे लखनऊ में फंसे हुए हैं। इसके अतिरिक्त, विदेश से छुट्टी पर आए कई प्रवासी यात्री अपनी नौकरी पर वापस नहीं लौट पा रहे हैं। उन्हें होटल, टैक्सी और अन्य खर्चों के कारण अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। पिछले चार दिनों से इंडिगो काउंटर पर यात्रियों और कर्मचारियों के बीच कई बार बहस और नोकझोंक देखी गई थी। हालांकि, रविवार को एयरपोर्ट पर स्थिति पहले की तुलना में शांत रही। इंडिगो एयरलाइंस के काउंटर पर आमतौर पर लंबी कतारें और भीड़ रहती थी, लेकिन रविवार को इक्का-दुक्का यात्री ही दिखाई दिए। रविवार को लखनऊ से दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, गुवाहाटी और चंडीगढ़ सहित कई प्रमुख मार्गों की उड़ानें रद्द रहीं। एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यात्री उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही उड़ान सेवाएं सामान्य हो जाएंगी।

संदिग्ध अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए आन्दोलन करेगा डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ

लखनऊ(संवाददाता)। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघए लोक निर्माण विभाग, उ.प्र. की उच्चाधिकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपी एवं सत्यनिष्ठा संदिग्ध अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए आन्दोलन करेगा। बैठक में चर्चा की गयी कि भ्रष्टाचार के आरोपी एवं सत्यनिष्ठा संदिग्ध कतिपय अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए संघ द्वारा कई पत्र उच्चाधिकारियों को लिखे गये। परन्तु इन अधिकारियों के विरूद्ध उच्च स्तर से कोई कार्यवाही नही की गयी। इससे प्रदेश के डिप्लोमा इंजीनियर्स में आक्रोश व्याप्त है। इन अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही न किये जाने से इनका मनोबल बढ़ रहा है जिससे अधिकारियों में भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। इससे विभाग एवं सरकार की छवि धूमिल हो रही है तथा प्रभावित अवर अभियंता एवं सहायक अभियन्ता अत्यधिक मानसिक दबाव महसूस कर रहे हैं। विभिन्न भ्रष्टाचार के आरोपी एवं सत्यनिष्ठा संदिग्ध अधिकारियों के विरूद्ध उच्च स्तर पर कार्यवाही न किये जाने के कारण डिप्लोमा इंजीनियर्स संघए लोनिवि की उच्चाधिकार समिति द्वारा इं.एन.डी.द्विवेदी प्रदेश अध्यक्षए डिप्लोमा इंजीनियर्स संघए लोक निर्माण विभाग उ.प्र. की अध्यक्षता में इन अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने की मांग को लेकर प्रदेश व्यापी आन्दोलन किये जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में अवगत कराया गया कि मुरादाबाद जनपद के एक अधिशासी अभियन्ता कुलदीप संत की सत्यनिष्ठा प्रमुख अभियन्ता विकास एवं विभागाध्यक्ष द्वारा संदिग्ध कर दी गयी है। आयुक्त सहारनपुर मण्डल द्वारा कुलदीप संत को अयोग्य एवं गैर अनुभवी अभियन्ता मानते हुए इन्हें निर्माण खण्ड यभवनद्ध सहारनपुर से हटाने तथा किसी योग्य एवं अनुभवी अधिशासी अभियन्ता की तैनाती किये जाने की मांग पर इन्हें सहारनपुर से हटाया गया था। सरकार की कैबिनेट द्वारा पारित स्थानांतरण नीति के प्रस्तर.4 में स्पष्ट उल्लेख है कि संदिग्ध सत्यनिष्ठा वाले कार्मिकों की तैनाती संवेदनशील पदों पर कदापि न की जाय।स्थानांतरण नीति में उक्त स्पष्ट प्राविधान के बावजूद भी उक्त अधिशासी अभियन्ता को न केवल प्रान्तीय खण्डए मुरादाबाद जैसे संवेदनशील खण्ड में तैनाती की गयीए अपितु मुरादाबाद के दो अन्य खण्डों का चार्ज भी इन्हीं अधिशासी अभियन्ता के पास कई महीनों तक रखा गया। इसी प्रकार देवरिया के एक अधिशासी अभियन्ता श्री अनिल जाटव पर अनाधिकृत रूप से 6.00 करोड़ का फर्जी बजट मांगने के गम्भीर आरोप हैं। इसके अतिरिक्त इन्हीं अधिशासी अभियन्ता पर 2.5 करोड़ रुपए के 34 फर्जी सप्लाई आर्डर निर्गत करने का भी आरोप है। इन आरोपों के बावजूद न तो अधिशासी अभियन्ता को हटाया गयाए अपितु उन्हें जनपद देवरिया के एक अन्य महत्वपूर्ण खण्ड का चार्ज भी काफी दिनों तक रखा गया। इसी प्रकार जनपद श्रावस्ती के एक अधिशासी अभियन्ता श्री सुनिल कुमार पर बिना सहायक अभियन्ता के हस्ताक्षर किये करोड़ो रुपए के बिल पास करने एवं भुगतान करने के गम्भीर आरोप हैं। इस प्रकरण पर महालेखाकार आडिट पैरा भी बनाया गया है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी उ.प्र. ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण द्वारा भी इस अनियमितता के सम्बन्ध में पत्र लिखा गया। इसके अलावा अधिशासी अभियन्ता द्वारा चिकित्सा अवकाश के दौरान सरकारी वाहन को निजी आवास पर प्रयोग किया गया। सहायक अभियन्ता द्वारा उक्त वाहन के मासिक किराये से नियमानुसार कटौती की अनुमति मांगी गयी। परन्तु अधिशासी अभियन्ता द्वारा कटौती न करते हुए शासकीय धन का दुरूपयोग एवं अनियमितता की गयी। इसी प्रकार इन अधिशासी अभियन्ता द्वारा अपने पद का दुरूपयोग करते हुए अपने अधीनस्थ दो सहायक अभियन्ता का 16 माह से वेतन न देने तथा अन्य अधीनस्थ कर्मचारियों का उत्पीड़न करने का भी गम्भीर आरोप है। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रावस्ती द्वारा भी इनके विरूद्ध लिखा गया यहाँ तक कि जिलाधिकारी श्रावस्ती द्वारा इन अधिशासी अभियन्ता अभियन्ता का वेतन भी रोक लिया गया है। परन्तु इनके विरूद्ध कोई कार्यवाही नही की गयी।

समस्याओं के निदान के लिए संविधान को सही तरीके से लागू करे सरकार: मायावती

लखनऊ(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कहा कि बाबा साहेब डा भीमराव आंबेडकर ने करोड़ों गरीबों, दलितों, शोषितों और वंचितों को सामाजिक न्याय व अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके मिशनरी विचार बहुजन समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (6 दिसंबर) पर देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के लिए समर्थकों और कार्यकताओं को धन्यवाद देते हुये उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए कहा कि देश आज महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, वायु प्रदूषण, रुपये की गिरती कीमत और आर्थिक अस्थिरता जैसे गंभीर संकटों से जूझ रहा है। एयरलाइंस संचालन में अव्यवस्था से लेकर आम लोगों की प्रतिदिन की समस्याओं तक हर ओर चिंता का माहौल है। ऐसे में सरकार को बाबा साहेब के मानवतावादी और कल्याणकारी संविधान को सही तरीके से लागू करने की दिशा में गंभीरता दिखानी चाहिए, तभी देश इन समस्याओं से छुटकारा पा सकेगा। मायावती ने कहा कि बाबा साहेब ने जीवनभर वंचितों और आमजन के हितों के लिए संघर्ष किया और संविधान के माध्यम से उन्हें अधिकार दिलाए। इसलिए उनके दिखाए मार्ग पर चलना और उनकी नीतियों को ईमानदारी से लागू करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी समर्थकों और श्रद्धालुओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि बाबा साहेब का मिशन तभी पूरा होगा जब पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों को न्याय, सुरक्षा और समान अवसर वास्तविक रूप से प्राप्त होंगे।

राजधानी में अवध रन मैराथन,5, 10 और 21 किलोमीटर दौड़े 600 लोग

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रन फॉर एबिलिटी की तरफ से अवध रन का आयोजन किया गया। इसमें करीब 600 की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। तीन कैटेगरी में आयोजित मैराथन में 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर तक खिलाड़ियों ने दौड़ लगाई। आयोजक रवि कुमार ने बताया कि रन फॉर एबिलिटी की तरफ से सुबह 5 बजे मैराथन आयोजित की गई। इसमें डिसेबल कैटेगरी के बच्चे और लोगों ने भी पार्टिसिपेट किया था। लोगों में यहां पर बहुत एंजॉय किया है। फिटनेस को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए यह आयोजन किया गया है। लखनऊ में लोगों को हेल्थ अच्छी रखने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया गया है।

एयरपोर्ट पर हंगामा करने वाला गिरफ्तार,नशे में दम्माम जा रहा था

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार रात एक यात्री ने हंगामा किया। नशे की हालत में होने के कारण उसे इंडिगो एयरलाइंस की दम्माम जाने वाली उड़ान में सवार होने से रोक दिया गया था। बोर्डिंग से रोके जाने पर यात्री ने टर्मिनल के बाहर उत्पात मचाना शुरू कर दिया। उसने अपना बैग पटक कर तोड़ दिया और अन्य यात्रियों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया। ड्यूटी पर तैनात एमएसएफ सुरक्षाकर्मियों ने जब हस्तक्षेप किया, तो यात्री ने उनसे गाली-गलौज की और हाथापाई पर उतर आया। स्थिति बिगड़ती देख अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को बुलाकर उसे काबू किया गया। सरोजनीनगर पुलिस को सूचना दी गई, जिसने आरोपी घनश्याम विश्वकर्मा को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाने, धमकी देने और कर्मचारियों से दुर्व्यवहार करने सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया। घनश्याम विश्वकर्मा देवरिया जिले के पडियापुर गांव का निवासी है और इंडिगो की फ्लाइट 6ई-97 से दम्माम जाने वाला था। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि नशे में यात्रियों को रोकना सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनिवार्य हिस्सा है और ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति लागू रहती है।

भिक्षा से स्वावलंबन कार्यक्रम,आर.पी. सिंह बोले, आत्मइच्छा हो तो बदलाव निश्चित

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ह्यभिक्षा से स्वावलंबनह्न सम्मान समारोह ने प्रेरणा और बदलाव की अनोखी कहानियों को सामने रखा। रविवार को समारोह के दौरान पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और टीम इंडिया के चयनकर्ता रह चुके आर.पी. सिंह ने उन लोगों को सम्मानित किया जिन्होंने भिक्षावृत्ति छोड़कर मेहनत और संकल्प के दम पर रोजगार की राह चुनी। कार्यक्रम की सबसे चर्चित कहानी रही मोहिनी की जो कभी बैलून बेचकर गुजारा करती थी, और अब स्वरोजगार से हर माह पाँच से दस हजार रुपये कमाकर आत्मनिर्भर है। ऐसे कई बच्चे और परिवार को लोग मिले जिसके जीवन में बदलाव हुए। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप फोटो लेते समय जब मोहिनी ने मुस्कुराते हुए कहा ह्लसर, मैं आपकी बहुत बड़ी फैन हूँ तो क्रिकेटर आर.पी. सिंह ने भी हंसकर ह्यथैंक यूह्न कहा। मोहिनी राजधानी लखनऊ के एक छोटे कस्बे में रहती है। पहले वह गुजारे के लिए बैलून बेचती थी, लेकिन जिला प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं के अभियान का हिस्सा बनने के बाद आज वह ब्यूटीशियन का कोर्स कर रही है और उसी से अपनी कमाई शुरू कर चुकी है। माह में 5 से 10 हजार रुपये की आमदनी के साथ वह अपनी जिंदगी को नए ढंग से संवार रही है। उसने कहा ह्लयही मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। समारोह में ऐसे 16 से अधिक बच्चों और परिवारों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने भीख मांगने की जिंदगी छोड़कर मेहनत, प्रशिक्षण और कौशल से रोजगार हासिल किया है। जिला प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की साझेदारी से चल रहे इस अभियान का लक्ष्य है लखनऊ को भिक्षावृत्ति-रहित शहर बनाना। लखनऊ सीडीओ अजय जैन ने कहा कि जिला प्रशासन तीन चरणों में अभियान चला रहा है।पहले चरण में भिक्षुकों की पहचान, उनका भरण-पोषण और दस्तावेजीकरण किया जाता है। दूसरा चरणभिक्षा से शिक्षा की ओर बढ़ने पर केंद्रित है। तीसरे चरण में प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा किसी भी शहर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करना ही सबसे बड़ी चुनौती होती है, और लखनऊ इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विशेष अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व क्रिकेटर आर.पी. सिंह ने अपने भावपूर्ण संबोधन में कहा कि जीवन बदलने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत आत्मइच्छा और आत्मनिरीक्षण की होती है। उन्होंने कहा कभी मैं सड़क पर बच्चों को भीख मांगते देखता था और सोचता था कि मैं उनके लिए क्या कर सकता हूँ? आज जब मुझे लखनऊ में चल रहे इस अभियान की जानकारी मिली तो मैं खुद आगे आया। बदलाव की शुरूआत भीतर से होती है, उसके लिए किसी बाहरी सहारे की जरूरत नहीं होती। आर.पी. सिंह ने अपने पिता का उदाहरण देते हुए कहा मेरे पिताजी गाँव से निकलकर रायबरेली कमाने आए थे। उन्होंने शायद अपने लिए नहीं, मेरे लिए सपना देखा था। वही सपना मुझे आगे बढ़ाता रहा। उन्होंने बच्चों से कहा जिसके अंदर आत्मइच्छा है, वह जरूर सफल होगा चाहे क्रिकेटर बनना हो, अधिकारी बनना हो या जनप्रतिनिधि। एक व्यक्ति का बदलाव पूरे समाज को प्रेरित करता है। विशिष्ट अतिथि और प्रमुख सचिव, श्रम एवं रोजगार डॉ. एम.के. शन्मुग सुन्दरम ने कहा कि यह अभियान सिर्फ कुछ लोगों नहीं, बल्कि पूरे समाज का जीवन बदल रहा है। उन्होंने कहा जब मैं इस अभियान से जुड़े लोगों से मिला, तो देखा कि ये लोग अपना पूरा जीवन दूसरों का जीवन सुधारने में लगा रहे हैं। इनका कोई स्वार्थ नहीं है। मैं उन सभी को बधाई देता हूँ और आर.पी. सिंह जी का विशेष धन्यवाद कि उनके आने से कार्यक्रम में नई ऊर्जा आई। उन्होंने कहा कि शिक्षा और रोजगार न सिर्फ व्यक्ति, बल्कि पूरे क्षेत्र और समाज को बदल देते हैं।

ब्रेकर पर उछली बाइक, सिर के बल गिरा पीएसी जवान,इलाज के तीसरे दिन मौत

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज इलाके में ड्यूटी के दौरान पीएसी जवान की बुलेट बाइक ब्रेकर पर उछल गई। इससे जवान सिर के बल गिरा। इसके बाद उसे ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया जहां रविवार को तीसरे दिन इलाज के दौरान जवान ने दम तोड़ दिया। मृतक जवान की पहचान उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र निवासी बबलू राणा (28) के रूप में हुई। बबूल की 1 साल पहले ही शादी हुई थी। पत्नी नीतू सीआरपीएफ में हैं। बबलू पिछले कई दिनों से बोट क्लब क्षेत्र में सुरक्षा एवं बाढ़ राहत व्यवस्था से जुड़ी ड्यूटी कर रहे थे। शुक्रवार शाम करीब 6.30 बजे वह अपनी बुलेट बाइक से हजरतगंज वापस लौट रहे थे। ब्रेकर नहीं देख पाए जिस पर बाइक उछल गई। इससे बबलू दूर जा गिरे थे। बबलू राणा 32वीं बटालियन के बी दल में तैनात थे। इसका कैंप रिवर फ्रंट पर बना हुआ है। शुक्रवार को वह पूरे दिन ऑन-ड्यूटी रहे। स्थानीय लोगों के अनुसार, नदी किनारे सड़क पर अचानक आए बड़े ब्रेकर पर बबलू की नजर नहीं पड़ी। वह जैसे ही गिरे, आसपास के लोग और साथ में मौजूद जवान तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्हें आनन-फानन में ट्रॉमा सेंटर लखनऊ ले जाया गया। जहां डॉक्टरों की निगरानी में दो दिन इलाज चला। सिर की गहरी चोटों के कारण रविवार सुबह उनकी मौत हो गई। सीआरपीएफ की जवान नीतू से 26 नवंबर 2024 को शादी हुई थी। पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

महिला स्वास्थ्य मेले का आयोजन, 500 महिलाओं ने लिया लाभ

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ के बख्शी का तालाब स्थित श्रीराम आयुष केंद्र, गायत्री शक्तिपीठ परिसर में एक दिवसीय महिला स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। आरुषि मेडिकल सेंटर, अलीगंज की संस्थापिका डॉ. कविता मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस मेले का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद, मुख्य अतिथि डॉ. कविता मिश्रा ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने श्रीराम आयुष केंद्र भवन का भी दौरा किया, जहां उन्होंने संचालित स्वास्थ्य सेवाओं और प्रस्तावित योजनाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि को मंत्र दुपट्टा और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मेजर वी.के खरे ने सभी उपस्थित गणमान्य नागरिकों का स्वागत किया। इस स्वास्थ्य मेले में 500 से अधिक महिलाओं ने होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक, फिजियोथेरेपी, एक्यूप्रेशर, मर्म चिकित्सा, योग और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। अपने संबोधन में डॉ. कविता मिश्रा ने केंद्र द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की सराहना की। उन्होंने मेले में उपस्थित छात्राओं और महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में प्रख्यात समाज सेवी जे.पी सिंह, धनपाल सिंह फौजी, यशपाल सिंह, तृप्ति सिंह, पुनीत खरे, गिरिजा शंकर तिवारी, पवन मिश्रा सहित सैकड़ों गणमान्य महिला-पुरुष उपस्थित थे।

संपादकीय

निर्वाचन की विश्वसनीयता कायम रखना बहुत जरूरी है

किसी सच्चे लोकतंत्र में एक स्वतंत्र, निडर और गैर-पक्षपाती लोकपाल के बिना निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। हमारी संवैधानिक व्यवस्था ने यही भूमिका भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को दी है। यदि यह धारणा बन जाए कि चुनाव आयोग की स्वायत्तता से समझौता किया जा चुका है तो पूरे तंत्र से भरोसा उठने लगेगा और चुनाव अपनी लोकतांत्रिक वैधता खो देंगे। चुनाव आयोग को अपनी मूल प्राधिकारी शक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 से मिलती हैं। यही प्रावधान संसद और विधानसभाओं के चुनावों के साथ-साथ राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों पर भी आयोग को पर्यवेक्षण, निर्देशन और नियंत्रणह्न का अधिकार देता है। 1950 से 1980 के दशक के आखिरी वर्षों तक अपने मूल स्वरूप में चुनाव आयोग एक-सदस्यीय संस्था थी, जिसके मुखिया मुख्य निर्वाचन आयुक्त थे। लेकिन अनुच्छेद 324 में कुछ अन्य निर्वाचन आयुक्तों की परिकल्पना की गई, जिन्हें समय-समय पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जा सके। 1989 में संसद ने कानून बनाकर आयोग को तीन सदस्यीय संस्था बना दिया। 12 दिसम्बर 1990 को टीएन शेषन के मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनने के साथ ही निर्वाचन आयोग चुनावों की निगरानी का एक ताकतवर संस्थान बन गया। शेषन ने वोटरों को रिश्वत-शराब बांटने, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग और धर्म-जाति के नाम पर वोट मांगने जैसी 150 से ज्यादा चुनावी गड़बड़ियों की पहचान की। उन्होंने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को सख्ती से लागू कर इसे फिर से प्रभावी बनाया। मतदाता पहचान पत्र को अनिवार्य किया, चुनाव खर्च की सीमा तय की और मतदान वाले राज्य से बाहर के चुनाव अधिकारी नियुक्त किए जाने लगे। पहली बार स्वतंत्र पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया, जिससे चुनावों में बाहुबल का इस्तेमाल काफी मुश्किल हो गया। शेषन की निगरानी में हुए 1992 के चुनावों में गड़बड़ियों के चलते कुछ निर्वाचन क्षेत्रों का चुनाव तक रद्द कर दिया गया था। 1993 में चुनाव खर्च का ब्योरा न देने पर संसदीय चुनाव के 1488 उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया गया। शेषन ताकतवर राजनेताओं से टकराने में नहीं हिचकते थे। नेताओं को उनका संदेश था कि चुनाव रेवड़ियां बांटने और धनबल-बाहुबल की नुमाइश का तमाशा नहीं है। लेकिन कोई अकेला व्यक्ति संस्थागत ईमानदारी बनाए रखने के लिए काफी नहीं हो सकता। क्योंकि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया ही त्रुटिपूर्ण है। 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि आयुक्तों के चयन में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए चयन समिति में प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को भी शामिल किया जाना चाहिए। लेकिन 2023 में ही सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की सलाह को दरकिनार कर एक कानून के जरिए सीजेआई के स्थान पर मंत्रिमंडल के एक और सदस्य को समिति में शामिल कर दिया। इससे निर्वाचन आयुक्तों की चयन प्रक्रिया में सत्ताधारी दल को भारी फायदा मिल गया। दूसरे, इसी कानून में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को शेष दो आयुक्तों को हटाने का अधिकार दे दिया गया, जिससे आयुक्तों के बीच समानता का दर्जा समाप्त हो गया। ऐसे में आयुक्तों पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त, यहां तक कि सरकार के रुख से भी सहमत होने का दबाव बढ़ गया। पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा के साथ जो हुआ, सबके सामने है। उन्होंने सत्ताधारी दल से असहमति जताने की हिम्मत दिखाई थी। तीसरे, शेषन के बाद आदर्श आचार संहिता कभी इतनी सख्ती से लागू नहीं हो पाई। ताजा उदाहरण लें। यों निर्वाचन आयोग पहले से जारी सरकारी योजनाओं तक में नगद सहायता के हस्तांतरण पर चुनाव से महीनों पहले रोक लगा देता है, लेकिन बिहार में आचार संहिता से एक घंटे पहले प्रति विधानसभा क्षेत्र 60 से 62 हजार महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए का वितरण रोकने के लिए उसने कुछ नहीं किया। आचार संहिता लागू होने के बाद भी नए लाभार्थियों के नाम जोड़े जाने पर रोक नहीं लगाई। वोटरों को ले जाने के लिए मुफ्त ट्रेनों के संचालन पर आंखें मूंद लीं। जो आचार संहिता केवल विपक्ष पर लागू हो, सत्ताधारी दल पर नहीं, उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कमजोर हो जाता है। सवाल चुनाव जीतने या हारने का नहीं, बल्कि चुनावों की विश्वसनीयता कायम रखने और सभी प्रत्याशियों को समान अवसर सुनिश्चित करने का है। हमें कैसा निर्वाचन आयोग चाहिए- जो सिर्फ चुनाव कराए, या जो लोकतंत्र की रक्षा भी करे?

हिमालयी संस्कृति से सम्मोहित विदेशी योगनियां

वे विदेशी अपने जीवन में कामयाब हैं। उनके पास संसाधनों व पैसे की कमी नहीं है। दरअसल, ये अमीर व विकसित देशों के लोग मशीनी होती जिंदगी की ऊब से मुक्त होने के लिये भारत आते हैं। उत्तराखंड की योग नगरी ऋषिकेश तथा अन्य हिमालयी राज्यों के रमणीक स्थल इन विदेशियों की प्राथमिकता बने हुए हैं। उत्तराखंड की विश्व स्तर पर चर्चित योग नगरी ऋषिकेश में पूरे साल विदेशी योगियों व आध्यात्मिक शांति के चाहने वालों का तांता लगा रहता है। यहां योग का बाजार भी खूब फल-फूल रहा है। साल भर योग से जुड़े तमाम आयोजन होते रहते हैं। लेकिन पिछले दिनों ऋषिकेष से कोई चालीस किलोमीटर की दूरी पर टिहरी गढ़वाल के अंतर्गत आने वाले सिंगथाली गांव के निकट बड़ी संख्यों में विदेशी योगनियों का हुजूम लगा नजर आया। जो स्थानीय लोगों के कौतूहल का विषय बना रहा। भारतीय परिधान और हिमालय की शक्तियों को जानने की उनकी तीव्र उत्कंठा मुखरित हो रही थी।

आज की उपभोक्ता संस्कृति के चरम पर शायद ही कोई भारतीय सैर-सपाटे और भौतिक सुख के लिये विदेश जाने की हसरत न रखता हो। वह बात अलग है कि उसकी जेब इजाजत दे या नहीं। ऐसे दौर में विडंबना देखिए कि जब लाखों भारतीयों के लिये पश्चिमी भोग संस्कृति के सम्मोहन और मौज-मस्ती के लिये विदेश जाना जुनून बना हुआ है, सैकड़ों विदेशी शांति-सुकून व आध्यात्मिक ज्ञान के लिये भारत का रुख कर रहे हैं। जिन पश्चिमी जीवन मूल्यों को आज भारतीय सुख के मानक मानकर अपनाने की होड़ में शामिल हैं, उससे उपजे मनोकायिक रोगों से मुक्ति के लिये विदेशी योगी-योगनियां हिमालय की शरण में आ रहे हैं। वे विदेशी अपने जीवन में कामयाब हैं। उनके पास संसाधनों व पैसे की कमी नहीं है। दरअसल, ये अमीर व विकसित देशों के लोग मशीनी होती जिंदगी की ऊब से मुक्त होने के लिये भारत आते हैं। उत्तराखंड की योग नगरी ऋषिकेश तथा अन्य हिमालयी राज्यों के रमणीक स्थल इन विदेशियों की प्राथमिकता बने हुए हैं। उत्तराखंड की विश्व स्तर पर चर्चित योग नगरी ऋषिकेश में पूरे साल विदेशी योगियों व आध्यात्मिक शांति के चाहने वालों का तांता लगा रहता है। यहां योग का बाजार भी खूब फल-फूल रहा है। साल भर योग से जुड़े तमाम आयोजन होते रहते हैं। लेकिन पिछले दिनों ऋषिकेष से कोई चालीस किलोमीटर की दूरी पर टिहरी गढ़वाल के अंतर्गत आने वाले सिंगथाली गांव के निकट बड़ी संख्यों में विदेशी योगनियों का हुजूम लगा नजर आया। जो स्थानीय लोगों के कौतूहल का विषय बना रहा। भारतीय परिधान और हिमालय की शक्तियों को जानने की उनकी तीव्र उत्कंठा मुखरित हो रही थी। कभी देवप्रयाग के संगम में श्रद्धानत होकर डुबकी लगाते, कभी ऋषिकेश तो कभी हरिद्वार के गंगा तटों पर सूर्य साधना करते नजर आते। दरअसल, अवेकन द द जर्नी ऑफ

सेल्फ-डिस्कवरी ह्र मुहिम में भाग लेने दुनिया के तीस देशों के करीब डेढ़ सौ साधक उत्तराखंड आए हुए थे। इन योग साधकों में ब्रिटेन, इटली, साइप्रस,अमेरिका, सिंगापुर, ताइवान, हांगकांग, चीन , मलेशिया, यूएई, वियतनाम, मॉरीशस, त्रिनिदाद और एशिया व यूरोप के कई देशों की योगनियां शामिल थीं। पेशेवर हिसाब से देखें तो इन साधकों की विविधता समृद्ध थी। इनमे, डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षाविद , हीलर्स, आध्यात्मिक अभ्यासकर्ता, उद्यमी और विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान रखने वाले साधक शामिल थे। वे सभी एक ही उद्देश्य से जुटे थे, हिमालयीय आध्यात्मिक ज्ञान को साक्षात अनुभव करना। गंगा के विस्तृत तटों पर विदेशी साधकों का सूर्य को अर्घ्य देने अनवरत अभ्यास हर किसी को चौंकाता है। वे विभिन्न धर्मों, देशों व संस्कृति के लोग सूर्य आराधना के मंत्र उच्चारित करते नजर आते तो स्थानीय लोग हैरत में होते। उस दिन सिंगथाली गांव के ठीक नीचे पुण्य सलिला गंगा की लहरों का अंतर्मन को भिगोने वाला संगीत साधकों को सम्मोहित कर रहा था। जैसे ही सूर्य की रश्मियां टिहरी गढ़वाल की इस तलहटी में नवजीवन का संचार करने लगीं, ये तमाम विदेशी योगी-योगनियां अपने तांबे, चांदी व मिश्रित धातुओं के पात्रों से सूर्य को अर्घ्य देने लगते हैं। ये क्रम निरंतर कई घटों तक चलता रहा। दरअसल, ये विभिन्न देशों, संस्कृतियों व धर्मों के साधक जल साधना के जरिये ध्यान की एकाग्रता का लक्ष्य हासिल कर रहे थे। पूंजीवादी के चरम वाले अमेरिका, साम्यवादी चीन, लोकतांत्रिक ताइवान, कठमुल्ला संस्कृति के वाहक ईरान व साइप्रस के विभिन्न धर्मी लोगों को सूर्य को अर्घ्य देते और सूर्य आराधना मंत्र का उच्चारण करते देखना रोमांचित करता है। ये वैश्विक पटल पर योग की जोड़ने की भारतीय संस्कृति का जीवंत उदाहरण ही है। दरअसल, सिंगथाली के सुरम्य प्राकृतिक अधिवास में गंगा का सान्निध्य इन विदेशी योग साधकों को भावविभोर कर गया। उत्तराखंड की प्राकृतिक सुषमा उन्हें मंत्रमुग्ध करती है। इस योग पर्व में उन्होंने योग के विभिन्न आयामों से रूबरू होने का शुभ अवसर पाया और इसका भरपूर लाभ भी उठाया। प्रातःकालीन सत्र में आसन, प्राणायाम व ध्यान, दिन में योग जिज्ञासाओं पर मंथन और रात्रि के सत्रों में योग के बौद्धिक विमर्श में इन विदेशी मेहमानों ने सक्रिय भागीदारी निभायी। इन विदेशी साधकों की योग जिज्ञासाओं के निराकरण के लिये कई विशेष सत्र भी इस दौरान आयोजित किए गए। वहीं गंगा के तट पर रोज होने वाला सांध्यकालीन गंगा आरती का आयोजन इन साधकों के लिये एक पर्व जैसा होता था। घाटी की गहराई में पहाड़ी इलाका होने के कारण सूर्य जल्दी ही ओझल हो जाता है। ऐसे में आरती में प्रयुक्त होने वाली कई ज्योति वाली दीप माला इन विदेशी मेहमानों के अंतर्मन को भिगो जाती थी। इसके बाद वे फिर अपनी योग साधनाओं में गहरे उतर जाते। निश्चित रूप से, यह योग की ताकत ही है दुनिया की अलग-अलग शासन व्यवस्थाओं, विभिन्न महाद्वीपों, संस्कृतियों व धर्मों से जुड़े लोग यहां श्रद्धा भाव से योगिक क्रियाओं को संपन्न करते हैं। उनके लिये योग व ध्यान की समृद्ध परंपराएं धार्मिक विश्वासों में बाधक नहीं हैं। इसे तो योग की वैश्विक सर्वस्वीकार्यता ही कहा जाएगा कि इन युवा योग साधकों को योग की जननी भारत की धरती सम्मोहित करती है। वहीं दूसरी ओर विदेशी साधकों की उपस्थिति से ये योग उत्सव एक अद्भुत सांस्कृतिक मेला नजर आता है। इस विशिष्ट योग उत्सव में भाग लेने वालों में विदेशी कॉरपोरेट जगत के बड़े अधिकारी शामिल रहे, जो समृद्धि हासिल करने के बाद अपने भीतर की समृद्धि की तलाश में हिमालय के आंचल में आए हैं। उनमें नवविवाहित युगल, भरे-पूरे परिवार, प्रेमी युगल, विवाह को तिलांजलि देकर आई आत्मनिर्भर युवतियां और कुछ उम्रदराज महिलाएं भी शामिल रहीं। निस्संदेह, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा योग को मान्यता देने से इसकी स्वीकार्यता वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। लोग लगातार अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। निश्चित रूप से वे भारतीय योगदर्शन व योग परंपराओं को प्रमाणिक मानते हैं। ये विदेशी साधक मौजूदा दौर में आधुनिक चिकित्सा के साइड इफेक्ट को देखते हुए योग व प्राकृतिक चिकित्सा में रुचि ले रहे हैं। वे हिमालय की जड़ी-बूटियों को आजमा रहे हैं। निस्संदेह, इससे भारत को योग की जन्मस्थली के रूप में स्वीकार्यता मिल रही है। साधक आसन, प्राणायाम व ध्यान के साथ योगदर्शन के आध्यात्मिक पक्ष से भी अवगत हो रहे हैं। सही मायनों में योग के अभ्यास हमारे मनोकायिक रोगों के उपचार में अचूक दवा का काम करते है। दरअसल,रोग हमारे मन की उलझनों से उपजे दोषों से भी पनपते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो दिल व दिमाग को प्रदूषण से मुक्त करने के लिये योग साधना से सुकून हासिल करना उनकी प्राथमिकता है।

बिग बॉस 19 में वोटिंग पर बड़ा सवाल, शिकायत से उठा विवाद

स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपनाह्न क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

यूपी की राजधानी लखनऊ के निवासी संजय शर्मा ने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 19 के खघ्लिाफ विस्तृत शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि शो में होने वाली एविक्शन और कंटेस्टेंट की रैंकिंग टीवी पर किए जाने वाले दावों के विपरीत, वास्तव में जनता की वोटिंग पर आधारित नहीं होती। उनका कहना है कि दर्शकों के सामने यह छवि बनाई जाती है कि एसएमएस और ऐप के जरिये की गई वोटिंग ही अंतिम फैसला तय करती है, जबकि पर्दे के पीछे परिणाम पहले से तय या मनमाने तरीके से बदले जाते हैं। संजय शर्मा ने अपनी शिकायत महाराष्ट्र पुलिस, गृह मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग और प्रसारण सामग्री शिकायत परिषद सहित कई संवैधानिक और नियामक निकायों को भेजी है। शिकायत में बिग बॉस 19 के निमार्ताओं, प्रसारकों और संबद्ध कंपनियों पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत गंभीर आपराधिक आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार, दर्शकों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि उनकी की गई वोटिंग के आधार पर ही कोई कंटेस्टेंट घर से बाहर होता है या बचता है, लेकिन वास्तव में यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी नहीं है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मनचाहे प्रतिभागियों को बचाने, और कुछ प्रतियोगियों को बाहर करने के लिए वोटिंग डेटा से छेड़छाड़, फर्जी रिकॉर्ड तैयार करने और मिनिमम गारंटीह्न कॉन्ट्रैक्ट्स तथा पहले से तय स्क्रिप्ट के जरिये शो के परिणामों को पहले से नियंत्रित किया जाता है।

संजय शर्मा की ईमेल.शिकायत के उत्तर में जियोस्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने एक विस्तृत पत्र भेजकर सभी आपराधिक आरोपों को तथ्यहीन, कानूनी रूप से अस्थिर और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज किया है।

कंपनी ने साफ लिखा है कि बिग बॉस का फॉर्मेट ब्लेंडेड मैकेनिज्म पर चलता है, जिसमें दर्शकों की वोटिंग के साथ.साथ एडिटोरियल निर्णय और क्रिएटिव डायरेक्शन भी मिलकर यह तय करते हैं कि कौन नामांकित होगा और किसका एविक्शन होगा, और कहीं भी यह आश्वासन नहीं दिया जाता कि केवल वोट ही परिणाम का अंतिम आधार होंगे। जियोस्टार के इस आधिकारिक उत्तर से यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आता है कि शो के टेलीविजन प्रमोशन, होस्ट के संवादों और मंच से बार.बार दी जाने वाली जनता ही विजेता तय करेगी जैसी धारणा के विपरीत, वास्तव में निर्णय बहु.कारक आंतरिक प्रक्रिया पर आधारित हैं। शिकायतकर्ता संजय शर्मा का कहना है कि चौनल और शो की ओर से जनता को साफ.साफ नहीं बताया जाता कि उनकी वोटिंग केवल एक इनपुट है, न कि अंतिम निर्णय, जिसके कारण करोड़ों दर्शक यह विश्वास करके वोट करते हैं कि उनका वोट सीधे.सीधे कंटेस्टेंट की किस्मत का फैसला करेगा, जबकि कंपनी के पत्र में खुद स्वीकार किया गया है कि अंतिम निर्णय में संपादकीय और क्रिएटिव टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। जहां जियोस्टार ने अपने जवाब में शिकायत को पब्लिसिटी पाने का प्रयास बताते हुए संजय शर्मा को मानहानि और कानूनी कार्यवाही की चेतावनी दी है, वहीं संजय शर्मा ने अपनी शिकायत में मांग की है कि बिग बॉस 19 से संबंधित सभी वोटिंग रिकॉर्ड, प्रोडक्शन कॉन्ट्रैक्ट्स, सीसीटीवी और कैमरा फुटेज जब्त कर स्वतंत्र फोरेंसिक जांच कराई जाए। यह पूरा विवाद इस सवाल को और तेज कर रहा है कि रियलिटी शो कहलाने वाले बड़े टीवी कार्यक्रमों में जनता की अदालत और सिर्फ आपके वोट से तय होगा नतीजा जैसे दावों की सच्चाई कितनी वास्तविक है और क्या दर्शकों को वोटिंग के वास्तविक प्रभाव के बारे में पूरी पारदर्शिता दी जाती है या नहीं।

डुप्लीकेट कॉपी, पॉटी सूटकेस, न्यूक्लिर बटन, भारत में ऐसे बीतेंगे पुतिन के 30 घंटे

आतंकी संगठन, दुश्मन, देशों की खुफिया एजेंसियां और ग्लोबल अंडरकवर नेटवर्क सभी की टारगेट लिस्ट में पुतिन का नाम हमेशा ही सबसे ऊपर रहता है। अपने ही देश यानी कि रूस में भी राजनीतिक विरोधियों की कोई कमी नहीं है। और यही वजह है कि पुतिन की सुरक्षा दुनिया की सबसे मजबूत, सबसे सख्त और लगभग अभेद मानी जाती है। रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन 4- 5 दिसंबर को भारत आ रहे हैं। भारत रूस रणनीतिक साझेदारी के 25 साल पूरे हो रहे हैं। इसी मौके पर पुतिन का यह दौरा होने वाला है। दौरे से पहले एक समझौते को मंजूरी भी दे दी गई जो दोनों देशों के लिए अच्छी खबर है। इसी साल 18 फरवरी को रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट यानी आरईएलओएस नाम के समझौते पर साइन हुए थे। इसके मुताबिक दोनों देश के बीच मिलिट्री सहयोग बढ़ेगा। माने कि दोनों देशों के सैन्य जहाज, विमान और दूसरी टुकड़ियां एक दूसरे के एयरबेस और बाकी सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगी। इस डील को 2 दिसंबर की रात औपचारिक रूप से हरी झंडी मिल चुकी है। पुतिन के 100 कॉल कमांडो आए भारत रूस की फेडरल प्रोटेक्टिव सर्विस यानी कि एफपीएस के करीब 100 अधिकारी पहले से ही भारत में मौजूद हैं। जिस होटल में पुतिन रुकेंगे उसके हर कोने में पुतिन की एफएसबी और फॉरेन इंटेलिजेंस सर्विस ने खंगाल कर रखा हुआ है। कमरे के बाथरूम से लेकर बेडरूम तक हर सामान की जांच हो चुकी है। पुतिन के लिए रूस से एक स्पेशल टॉयलेट यूनिट तक लाई जा रही है जिसे होटल में उनके आने से पहले इंस्टॉल किया जाएगा ताकि उनका कोई भी बायोलॉजिकल सैंपल किसी के हाथ ना लगे।

रूस की फेडरल प्रोटेक्टिव सर्विस यानी कि एफपीएस के करीब 100 अधिकारी पहले से ही भारत में मौजूद हैं। जिस होटल में पुतिन रुकेंगे उसके हर कोने में पुतिन की एफएसबी और फॉरेन इंटेलिजेंस सर्विस ने खंगाल कर रखा हुआ है। रूस के राष्ट्रपति वलादमीर पुतिन दुनिया के उन चुनिंदा नेताओं में से एक है जिनकी जिंदगी हर पल खतरे की जद में रहती है। आतंकी संगठन, दुश्मन, देशों की खुफिया एजेंसियां और ग्लोबल अंडरकवर नेटवर्क सभी की टारगेट लिस्ट में पुतिन का नाम हमेशा ही सबसे ऊपर रहता है। अपने ही देश यानी कि रूस में भी राजनीतिक विरोधियों की कोई कमी नहीं है। और यही वजह है कि पुतिन की सुरक्षा दुनिया की सबसे मजबूत, सबसे सख्त और लगभग अभेद मानी जाती है। रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन 4- 5 दिसंबर को भारत आ रहे हैं। भारत रूस रणनीतिक साझेदारी के 25 साल पूरे हो रहे हैं। इसी मौके पर पुतिन का यह दौरा होने वाला है। दौरे से पहले एक समझौते को मंजूरी भी दे दी गई जो दोनों देशों के लिए अच्छी खबर है। इसी साल 18 फरवरी को रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट यानी आरईएलओएस नाम के समझौते पर साइन हुए थे। इसके मुताबिक दोनों देश के बीच मिलिट्री सहयोग बढ़ेगा। माने कि दोनों देशों के सैन्य जहाज, विमान और दूसरी टुकड़ियां एक दूसरे के एयरबेस और बाकी सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगी। इस डील को 2 दिसंबर की रात औपचारिक रूप से हरी झंडी मिल चुकी है। पुतिन के 100 कॉल कमांडो आए भारत रूस की फेडरल प्रोटेक्टिव सर्विस यानी कि एफपीएस के करीब 100 अधिकारी पहले से ही भारत में मौजूद हैं। जिस होटल में पुतिन रुकेंगे उसके हर कोने में पुतिन की एफएसबी और फॉरेन इंटेलिजेंस सर्विस ने खंगाल कर रखा हुआ है। कमरे के बाथरूम से लेकर बेडरूम तक हर सामान की जांच हो चुकी है। पुतिन के लिए रूस से एक स्पेशल टॉयलेट यूनिट तक लाई जा रही है जिसे होटल में उनके आने से पहले इंस्टॉल किया जाएगा ताकि उनका कोई भी बायोलॉजिकल सैंपल किसी के हाथ ना लगे। पुतिन अपना पर्सनल किचन जब राष्ट्रपति पुतिन किसी विदेश दौरे पर निकलते हैं तो मेजबान देश उनकी

सुरक्षा और मेहमान नवाजी के लिए हर संभव व्यवस्था रखता है। लेकिन यह जानकर आप हैरान रह जाएंगे कि पुतिन उस देश का एक घूंट पानी तक नहीं पीते। उनके रहने, खाने, पीने और यहां तक कि टॉयलेट तक सब कुछ रूस से ही लाया जाता है। दुनिया में शायद ही ऐसा पहले कभी हुआ हो कि किसी मेहमान के आने से पहले उनकी किचन, उनका टॉयलेट, उनका टेलीफोन बूथ और उनके इस्तेमाल का हर सामान पहले से ही भारत पहुंचाया जाए। होटल के कमरे में मौजूद शैंपू, साबुत, तेल, तौलिया, हेड वाश, क्लीनर सब कुछ हटाकर सिर्फ रूस से भेजा गया सामान ही लाया जाता है। लेकिन पुतिन के लिए यह सामान्य है क्योंकि उनकी सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक या जरा सी भी गुंजाइश नहीं होती। पुतिन अपना पर्सनल किचन और मिलिट्री ट्रेन कुक साथ में रखते हैं। पुतिन का कुक एक सैनिक होता है। उसे दिन में जितनी बार खाना बनाना हो उतनी बार अपनी वर्दी बदलनी होती है। वो बिना ग्लव्स पहनकर खाना तक नहीं छू सकता। खाना सबसे पहले एफपीएफ यानी कि फेडरल प्रोटेक्टिव सर्विस के अधिकारी चखते हैं। फिर उसके बाद पुतिन को परोसा जाता है। खाने में इस्तेमाल होने वाला नमक तक रूस से आता है। पानी पीने वाला हो या खाना बनाने वाला सब मॉस्को से लाया जाता है। पुतिन के बॉडी डबल्स रिपोर्टों से पता चलता है कि पुतिन कभी-कभी बॉडी डबल्स का उपयोग करते हैं, खासकर सार्वजनिक कार्यक्रमों या उच्च जोखिम वाली स्थितियों में जाते समय। यूक्रेन के सैन्य प्रमुख मेजर जनरल किरिल बुडानोव ने दावा किया कि पुतिन कम से कम तीन बॉडी डबल्स का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें से कुछ ने उनके जैसा दिखने के लिए प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। न्यूक्लियर बटन का कमांड पुतिन जिस प्लेन में यात्रा करते हैं, वो इल्युशिन क्छ-96-300 ढव है। इसे ₹फ्लाइंग प्लूटन₹ कहा जाता है। विमान में उन्नत संचार, मिसाइल सुरक्षा, बैठक कक्ष, एक जिम, एक बार और एक चिकित्सा सुविधा है। पुतिन मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करते हैं, उनके लिए उस देश में एक अलग टेलीफोन बूथ सहित सुरक्षित संचार लाइनें तैयार की जाती हैं। 30 घंटे रहेंगे पुतिन दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी और पुतिन के बीच 23वीं भारत रूस द्विपक्षीय शिखर वार्ता होगी। द्विपक्षीय वार्ता के बाद कई बड़े ऐलान और समझौते होने की उम्मीद है। बातचीत के बाद दोनों नेता मीडिया को अपना बयान देंगे।

विराट कोहली विशाखापत्तनम के नरसिम्हा स्वामी मंदिर पहुंचे

विशाखापत्तनम। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद विशाखापत्तनम के श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर पहुंचे। कोहली ने मंदिर में विधिवत पूजा की। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को विशाखापत्तनम के श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर पहुंचे। कोहली ने इस दौरान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का हिस्सा थे। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शनिवार को विशाखापत्तनम में तीसरा वनडे मैच खेला गया था जिसमें भारत ने नौ विकेट से जीत दर्ज कर 2-1 से सीरीज अपने नाम की थी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज खत्म हो चुकी है। कोहली अकेले मंदिर पहुंचे और उन्होंने भगवान वराह लक्ष्मी नरसिंह की पूजा-अर्चना की। तीसरे वनडे से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर भी मंदिर में पहुंचे थे।

अशनूर कौर के बॉडी शेमिंग कमेंट से लेकर अमाल मलिक की टिप्पणी तक; विवादों में रहे 'बिग बॉस 19' के ये मोमेंट्स

'बिग बॉस 19' के कई पल विवादों में रहे। किसी ने किसी को लेस्बियन कहा तो किसी ने किसी को लड़की का टुकड़ा मारा। आइए इन विवादों पर एक नजर डालते हैं।

जैसे-जैसे 'बिग बॉस 19' का ग्रैंड फिनाले पास आ रहा है, एक्साइटमेंट अपने पीक पर है। हर बार की तरह इस बार भी यह शो ड्रामा, झगड़ों और शॉकिंग मोमेंट्स से भरा हुआ है। आइए इस सीजन की कुछ सबसे विवादित घटनाओं पर नजर डालते हैं, जिससे यह सीजन चर्चा में रहा। 'लेस्बियन' विवाद 'बिग बॉस 19' में तब विवाद हुआ जब कुनिका सदानंद ने मालती चाहर को 'लेस्बियन' कहा था। कुनिका ने बाद में अपनी गलती मानी और कहा कि यह असंवेदनशील टिप्पणी थी। शो के होस्ट सलमान खान और रोहित शेट्टी ने भी कुनिका की निंदा की। 'बिग बॉस 19' के कंटेस्टेंट अमाल मलिक ने गौरव खन्ना के साथ नेपोटिज्म पर बहस के दौरान अपने पिता को 'फेलियर' कहा था। इस पर काफी विवाद हुआ। उनका मानना था कि उन्हें अपने परिवार के नाम का फायदा नहीं मिला, बल्कि और मुश्किलें आईं। इस पर उन्हें लोगों ने सोशल मीडिया पर ट्रोल किया। दो कौड़ी की औरत कहा फरहाना भट्ट ने बहस के दौरान नीलम गिरी को 'दो कौड़ी की औरत' कहा था। इससे घर में काफी हंगामा हुआ और नीलम गिरी भावुक होकर रोने लगीं। इस पर सलमान ने फरहाना को सबके सामने डांट लगाई थी। लकड़ी का टुकड़ा मारा 'टिकट टू फिनाले' टास्क में, अशनूर कौर और तान्या मित्तल के बीच भिडंत हो गई। टास्क के दौरान तान्या मित्तल ने अशनूर को चिढ़ाया और उनके खेल पर ताने मारे। गुस्से में अशनूर ने लकड़ी का टुकड़ा उठा लिया और तान्या के हाथ पर मार दिया। इसके बाद अशनूर कौर को शो से बाहर कर दिया गया। प्लेट तोड़ दी बिग बॉस के घर में फरहाना भट्ट और शहबाज बडेशा में बर्तन धोने को लेकर बहस हो गई। इसके बाद फरहाना गुस्से में आ गईं और उन्होंने प्लेट तोड़ दी। इसके टुकड़ तानिया मित्तल को लग गए। यह मामला काफी चर्चा में रहा। अशनूर कौर पर टिप्पणी तान्या मित्तल और नीलम गिरी समेत कंटेस्टेंट्स ने अशनूर के वजन और लुक्स के बारे में बार-बार गलत बातें कहीं। इन कमेंट्स की आलोचना हुई। इसे लेकर होस्ट ने भी उन्हें डांटा।

ब्लैक बनारसी साड़ी में मॉम-टू-बी सोनम कपूर का रॉयल लुक, बेबी बंप पर हाथ रख दिए खूबसूरत पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर इन दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी को एंजॉय कर रही हैं। वह जल्द ही पति आनंद आहूजा संग अपने दूसरे बेबी का स्वागत करेंगी। इससे पहले हाल ही में एक्ट्रेस ने एक शानदार मैटरनिटी फोटोशूट करवाया, जिसमें वह खुलकर अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं। अब उनकी ये खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। दरअसल, शुक्रवार को मुंबई में नीता अंबानी द्वारा आयोजित स्वदेश कार्यक्रम में सोनम कपूर बेहद स्टाइलिश अवतार में पहुंची, जहां उन्होंने पैपराजी को जमकर पोज दिए और पूरे कॉन्फिडेंस के साथ अपना बंप फ्लॉन्ट किया। मिनिमल मेकअप, कानों में गोल्डन इयररिंग्स और स्लीक बन से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है और उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो खूब चमक रहा है। अपने बेबी बंप पर हाथ रख सोनम पूरे ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ पोज दे रही हैं। फैंस सोनम की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं। बता दें, सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने साल 2018 में शादी रचाई थी और फिर साल 2022 में एक प्यारे बेटे का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने श्वायुश रखा है। वहीं, अब वायु के जन्म के तीन साल बाद अब यह कपल अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने को तैयार है।

मैं मूव ऑन कर रहा हूं..क्रिकेटर संग नहीं हो रही पलाश मुच्छल की शादी, स्मृति मंधाना के बाद संगीतकार ने भी किया कंफर्म

संगीतकार और फिल्म निमार्ता पलाश मुच्छल की महिला क्रिकेट टीम की स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना के साथ शादी कैंसिल हो गई है। इस बात का खुलासा हाल ही में स्मृति ने एक पोस्ट के जरिए किया। वहीं, स्मृति के बाद पलाश मुच्छल ने भी इस बात को कंफर्म कर दिया है। उन्होंने एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि वह मूव ऑन कर रहे हैं। स्मृति मंधाना के पोस्ट के कुछ समय बाद ही पलाश मुच्छल ने भी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा- मैंने लाइफ में मूव ऑन करने का फैसला कर लिया है और मेरे पर्सनल रिलेशनशिप से पीछे हटने का फैसला किया है। मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि लोग किसी ऐसी चीज के बारे में बेबुनियाद अफवाहों पर इतनी आसानी से रिएक्ट करते हैं, जो मेरे लिए सबसे पवित्र रही है। उन्होंने लिखा-यह मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर है और मैं अपने विश्वासों पर कायम रहकर इसे अच्छे से झेलूंगा। मैं सच में उम्मीद करता हूं कि हम एक समाज के तौर पर किसी को बिना वेरिफाई की गई गॉसिप के आधार पर जज करने से पहले रुकना सीखें, जिसके सोर्स कभी पता नहीं चलते। हमारे शब्द हमें ऐसे जख्म दे सकते हैं, जिन्हें हम कभी समझ नहीं पाएंगे। जब हम इन चीजों के बारे में सोचते हैं, तो दुनिया में कई लोग इसके गंभीर नतीजों का सामना कर रहे होते हैं। मेरी टीम झूठा और बदनाम करने वाला कंटेंट फैलाने वालों के खिलाफ सख्त लीगल एक्शन लेगी। इस मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। कुछ देर पहले मंधाना ने अपने पोस्ट लिखा कि पिछले कुछ हफ्तों से उनकी निजी जिंदगी को लेकर कई तरह की बातें सामने आई हैं।

कार्तिक की बहन कृतिका की हुई ड्रीमी वेडिंग, शादी में आगे-आगे भाई के फर्ज निभाते दिखे एक्टर

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन पिछले कुछ दिनों से काफी लाइमलाइट में बने हुए हैं। वजह कोई उनकी फिल्म नहीं, बल्कि फैमिली वेडिंग है, जहां एक्टर अपने डांस वीडियोज और परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचते नजर आए। हालांकि, अब कार्तिक की बहन कृतिका तिवारी शादी के बंधन में बंध चुकी हैं, जिसकी तस्वीरें एक्टर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक बेहद भावुक नोट भी लिखा है। कार्तिक की बहन कृतिका तिवारी 4 दिसंबर 2025 को ग्वालियर के उषा किरण पैलेस में धूमधाम से शादी के बंधन में बंधी। इस शादी की खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा-समय धीरे-धीरे हमारी जिंदगी को बदल देता है। आज का दिन भी कुछ ऐसा ही था। अपनी कीकी को दुल्हन बनते देखकर लग रहा है, जैसे कई साल एक ही पल में सिमट गए। उन्होंने आगे लिखा, कीकी, मैंने तुम्हें एक छोटी बच्ची की तरह बढ़ते हुए देखा है, जो हर जगह मेरे पीछे-पीछे घूमती थी। आज तुम एक खूबसूरत, मजबूत और खुश दुल्हन बनकर अपनी नई जिंदगी की ओर बढ़ रही हो। कीकी, तुम जैसी हो, मुझे तुम पर गर्व है। बचपन की हमारी हंसी, लड़ाइयां, राज और हर याद के लिए मैं दिल से शुक्रगुजार हूं। आज जब तुम आगे चल रही थी, तो मेरा दिल तुम्हारे साथ ही था। अब तुम भले ही एक नए जीवन में आगे बढ़ रही हो, लेकिन मेरे लिए तुम हमेशा छोटी बहन ही रहोगी और मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि तुम इतने सच्चे, अनमोल और केयरिंग इंसान के साथ हो। तस्वीरों में देखा जा सकता है कृतिका की शादी किसी ड्रीमी वेडिंग से कम नहीं रही। उन्होंने अपने शादी में बेज कलर का खूबसूरत लहंगा पहना। दूल्हे राजा भी मैचिंग कलर की शेरवानी में दुल्हन संग ट्विनिंग करते दिखे। वहीं, कार्तिक आर्यन व्हाइट शेरवानी सेट में काफी हैंडसम दिखे और अपनी बहन की शादी में भाई के सारे फर्ज अदा करते नजर आए। फैंस एक्टर द्वारा शेयर की गई इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं। बता दें कि कृतिका एक्टर कार्तिक की छोटी बहन हैं।

सामंथा से शादी करने पर राज निदिमोरु को मिली बधाई, फिल्ममेकर ने कुछ यूं दिया रिएक्शन

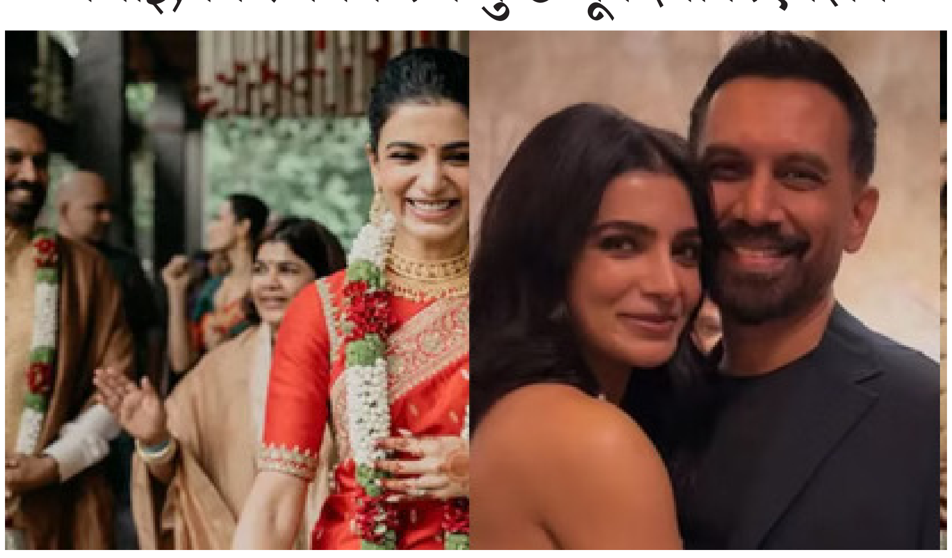

साउथ अभिनेत्री सामंथा के साथ शादी करने के बाद पहली फिल्म फिल्ममेकर राज निदिमोरु पब्लिक इवेंट में नजर आए। उन्हें पैप्स ने बधाई दी तो देखिए उन्होंने क्या रिएक्शन दिया।

फिल्ममेकर राज निदिमोरु और एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की शादी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी। 1 दिसंबर 2025 को कोयंबटूर स्थित ईशा योग सेंटर में दोनों ने बेहद शांत वातावरण में लिंगा भैरवी विवाह रीति से शादी की। दोनों की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बज बना। शादी के कुछ ही दिन बाद दोनों फिर काम पर लौट आए और अब राज का पहला पब्लिक अपीयरेंस देखने को मिला है। फैमिली मैन सीजन 3 की सक्सेस पार्टी फैमिली मैन सीजन 3 की सक्सेस पार्टी में राज निदिमोरु मनोज बाजपेयी और टीम के साथ शामिल हुए। जैसे ही वह मीडिया के कैमरों के सामने आए, फोटोग्राफर्स ने उत्साह से उन्हें बधाई देते हुए कहा-'शादी मुबारक।' इस पर राज ने मुस्कराते हुए पैपराजी को ज्यादा कुछ ना कहते हुए कहा- थेंक्यू। राज के इसी सिंपल अंदाज को फैंस पसंद कर रहे हैं। सामंथा के प्रशंसक भी उन्हें लगातार नए जीवन के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। कैसे शुरू हुई राज और सामंथा की कहानी? राज निदिमोरु और सामंथा की पहली मुलाकात 2021 में द फैमिली मैन सीजन 2 की शूटिंग के दौरान हुई थी। शो में सामंथा ने एक दमदार भूमिका निभाई थी और तब से ही दोनों के बीच दोस्ती का सिलसिला शुरू हुआ। बाद में सिटाडेलः हनी बनी की शूटिंग के दौरान उनकी बातचीत और करीबी बढ़ती चली गई। कई बार दोनों को एक साथ देखा गया, मगर किसी ने भी कभी अपने रिश्ते को सार्वजनिक तौर पर स्वीकार नहीं किया। फैंस के बीच लंबे समय से चल रही अफवाहें इस शादी के साथ आखिर सच साबित हुईं। सामंथा और राज के पुराने रिश्ते शादी से पहले सामंथा रुथ प्रभु की जिंदगी में काफी उतार-चढ़ाव आए। उनकी शादी 2017 में नागा चैतन्य से हुई थी, लेकिन 2021 में दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए। नागा ने 2024 में अभिनेत्री सोभिता धुलिपाला से शादी कर ली। वहीं राज निदिमोरु भी पहले शादीशुदा रहे हैं। 2015 में उनकी शादी श्यामाली डे से हुई थी, जिसका 2022 में अंत हो गया। राज की शादी की खबरों के बीच श्यामाली ने सोशल मीडिया पर कुछ इशारों भरी पोस्ट भी कीं, जिन पर लोगों ने खूब चर्चा की।

'धुरंधर' के क्रेज के बीच रणवीर सिंह-दीपिका पादुकोण का वायरल हुआ वीडियो, फैंस ने कहा- 'सबसे अच्छी जोड़ी'

'धुरंधर' स्टार रणवीर सिंह अपनी पत्नी और एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के साथ आज मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए। इस दौरान दोनों ने अपने कूल लुक से फैंस का दिल जीत लिया। रणवीर सिंह इन दिनों अपनी फिल्म 'धुरंधर' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। आज दीपिका पादुकोण और रणवीर एक साथ मुंबई एयरपोर्ट पर दिखाई दिए। फैंस के बीच यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। दीपवीर के फैंस उनके इस वीडियो पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। दीपिका का लुक आज दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को एयरपोर्ट पर बहुत स्टाइलिश लुक में एक साथ देखा गया। इस दौरान दीपवीर ने पैपराजी को जमकर पोज भी दिए। दीपिका ने नीली जींस, सफेद टी-शर्ट और उस पर ऑलिव ग्रीन ट्रेंच कोट पहना हुआ है। बाल खुले रखे, बड़े से सनग्लासेस लगाए और एक बड़ा बैग कैरी किया है। रणवीर का लुक वहीं रणवीर ने कार्गो पैंट, काली टी-शर्ट और लेदर जैकेट पहनी हुई है। कैप और सनग्लासेस लगाकर उन्होंने अपना कूल लुक पूरा किया। रणवीर का हैंडसम लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। एयरपोर्ट पर दोनों हाथ में हाथ डाले चलते नजर आए। रणवीर ने फोटोग्राफर्स को मुस्कुराते हुए पोज भी दिए। फैंस के कमेंट्स एयरपोर्ट पर दीपिका और रणवीर को एक साथ देखकर फैंस बेहद खुश हैं। एक फैन ने लिखा, 'हमेशा के लिए सबसे अच्छी जोड़ी', एक और फैन ने लिखा, 'बिल्कुल सही एयरपोर्ट लुक', वहीं दीपवीर के कई फैंस कमेंट में लाल दिल वाले इमोजी बरसा रहे हैं। 'धुरंधर' के बारे में रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' इस शुक्रवार 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में रणवीर के अलावा आर माधवन, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल जैसे बड़े सितारे हैं। फिल्म को अच्छी समीक्षाएं मिल रही हैं। इस फिल्म ने आज रविवार को तीसरे दिन अभी तक बॉक्स ऑफिस पर कुल 79.63 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है, जो रात तक बदलेगा।

रन कम हो गए, नहीं तो एक और शतक पक्का था

अर्शदीप सिंह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और रील्स के जरिये लोगों का मनोरंजन करते हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के बाद अर्शदीप ने कोहली के साथ बातचीत की जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अपने मजाकिया अंदाज के लिए प्रसिद्ध हैं और लगातार मैच के बाद साथी खिलाड़ियों के साथ आनंद करते हैं। ऐसा ही कुछ उन्होंने विराट कोहली के साथ भी किया। दरअसल, विशाखापत्तनम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए तीसरे वनडे मैच के बाद अर्शदीप ने कोहली का इंटरव्यू लिया। इस दौरान उन्होंने कोहली से कहा कि रन कम हो गए नहीं तो एक और शतक पक्का था। इस पर कोहली ने अर्शदीप को ऐसा जवाब दिया जिससे उनकी बोलती बंद हो गई। भारत ने जीती सीरीज भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल के शतक और रोहित शर्मा तथा विराट कोहली के अर्धशतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका को तीसरे वनडे मैच में नौ विकेट से हराया। भारत ने इसके साथ ही तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए क्विंटन डिकॉक के 106 रनों की बदौलत 47.5 ओवर में 270 रन बनाए थे।

पांच दिवसीय भारत दौरे पर शीर्ष अमेरिकी राजनयिक हूकर

वॉशिंगटन। इस दौरे से पहले 6 दिसंबर को भारत और अमेरिका ने आतंकवाद के सभी रूपों और स्वरूपों की कड़ी निंदा की है। दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र, क्वाड और एफएटीएफ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर आतंकवाद-रोधी सहयोग मजबूत करने का संकल्प दोहराया। अमेरिका की अंडर सेक्रटरी ऑफ स्टेट फॉर पॉलिटिकल अफेयर्स एलिसन हुकर 7 से 11 दिसंबर तक भारत के दौरे पर रहेंगी। अमेरिकी दूतावास द्वारा जारी बयान के अनुसार, उनका यह दौरा भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और व्यापार, रक्षा और उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रहेगा। तमाम क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने पर होगा फोकस आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एलिसन हुकर की प्राथमिकताओं में अमेरिकी निर्यात

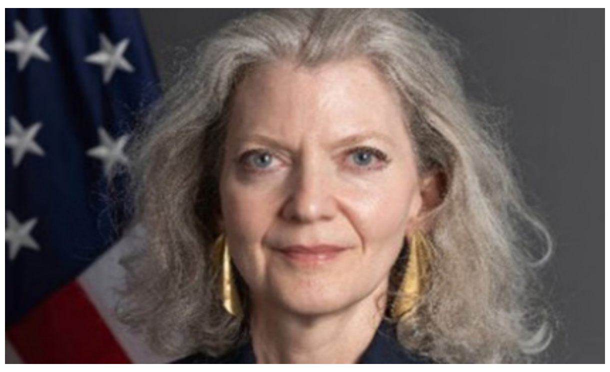

को बढ़ावा देना, आर्थिक संबंधों को और गहरा करना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अंतरिक्ष अनुसंधान तथा अन्य उभरते क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करना शामिल है। इस दौरे के दौरान एलिसन हुकर नई दिल्ली में वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से मुलाकात करेंगी। वह विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ 'फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन' में हिस्सा लेंगी, जिसमें इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा, आपसी हितों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी। इसरो का करेंगी दौरा, कई मुद्दों पर होगा मंथन इसके बाद वह बंगलूरू जाएंगी, जहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा करेंगी और भारत के अंतरिक्ष व तकनीकी क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच अनुसंधान, नवाचार और ऊर्जा क्षेत्र में संभावित नए सहयोग पर चर्चा होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्राथमिकताओं के तहत यह दौरा 'मजबूत भारत-अमेरिका साझेदारी' और 'मुक्त व खुले इंडो-पैसिफिक' की दिशा में एक और कदम माना जा रहा है, बयान में कहा गया। दोनों देशों ने आतंकवाद पर सख्ती दोहराई 3 दिसंबर को यहां आयोजित हुई भारत-अमेरिका संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की 21वीं बैठक और 7वीं डेजिग्नेशन डायलॉग में दोनों पक्षों ने आईएसआईएस, अल-कायदा, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद समेत उनके समर्थकों और सहयोगियों पर संयुक्त राष्ट्र के 1267 प्रतिबंध सूची में और नाम जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों देशों ने पहलगाम (22 अप्रैल) और दिल्ली के लाल किला क्षेत्र (10 नवंबर) में हुए आतंकी हमलों की निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादियों को सजा मिलनी चाहिए और उन्हें किसी भी प्रकार का समर्थन नहीं मिलना चाहिए। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह बैठक भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की भावना और उसके दायरे को दशार्ती है।

बल प्रयोग कर सकते हैं ट्रंप कथित ड्रग तस्करी से जुड़ी नावों पर हमलों को लेकर बोले रक्षा मंत्री हेगसेथ

वॉशिंगटन। ड्रग तस्करी से जुड़ी कथित नावों पर सैन्य कार्रवाई का बचाव करते हुए अमेरिकी रक्षा मंत्री

पीट हेगसेथ ने कहा कि राष्ट्रपति को अगर उचित समझें तो उन्हें देश की रक्षा के लिए कार्रवाई करने का अधिकार है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कथित ड्रग कार्टेल से जुड़ी नावों पर सैन्य हमलों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास देश की सुरक्षा के लिए 'जैसा वह उचित समझें' कार्रवाई करने का अधिकार है। हेगसेथ ने कहा कि ट्रंप अपनी इच्छानुसार बल का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी में बोलते हुए हेगसेथ ने हमलों की आलोचनाओं को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि इन सैन्य हमलों में 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इन हमलों पर अंतरराष्ट्रीय कानून के संभावित उल्लंघन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीट हेगसेथ ने तर्क दिया कि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए ये ऑपरेशन वाजिब था। उन्होंने इसकी तुलना 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद लिए गए फैसलों से की। हेगसेथ ने कहा कि अगर आप किसी घोषित आतंकी संगठन के लिए काम कर रहे हैं और देश में नाव के जरिये ड्रग्स लाते हैं तो हम आपको ढूंढ लेंगे और डुबो देंगे। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप देश के हितों की रक्षा के लिए जैसा सही समझेंगे, वैसी निर्णायक सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं और करेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश को इस पर शक नहीं होना चाहिए। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने संदिग्ध ड्रग तस्करों की तुलना आतंकवादी संगठन अल-कायदा से की। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी करने के तुरंत बाद आई है, जिसमें यूरोपीय साझेदारों को कमजोर बताया गया है। इस रणनीति का मकसद अमेरिकी ताकत को पश्चिमी गोलार्ध में फिर से स्थापित करना है।

पीटीआई ने की सेना की टिप्पणियों की निंदा

इस्लामाबाद। पीटीआई ने पूर्व इमरान खान के खिलाफ सेना के प्रवक्ता की टिप्पणियों की आलोचना

की और कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं। पार्टी ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने के प्रयास कई बार नाकाम रहे हैं और यदि हालात ऐसे ही रहे तो पाकिस्तान को नुकसान उठाना पड़ेगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने सेना के प्रवक्ता की पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ टिप्पणियों की आलोचना की और कहा कि इमरान खान 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं।' पार्टी ने हाल ही में संविधान संशोधनों के बाद कमजोर होती लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर भी चेतावनी दी। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक अहमद शरीफ चौधरी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि इमरान खान 'सेना-विरोधी' रुख अपना रहे हैं और उनकी बयानबाजी राजनीति से आगे बढ़कर 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा' बन गई है। पीटीआई के महासचिव सलमान अकरम राजा ने इस आरोप पर कहा, पाकिस्तान के लोगों को दूर मत भगाइए, वे इमरान खान और पीटीआई के साथ हैं। इमरान खान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं। उन्होंने लोगों को एकजुट रखा। राजा ने कहा कि पाकिस्तान में जातीय और सांप्रदायिक जैसे कई दृष्टिकोण हैं, लेकिन इमरान ने सभी को ठुकराकर पाकिस्तान की विचारधारा के साथ खड़े रहने का विकल्प चुना। उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा में चुनी हुई सरकार को कमजोर करने की कोशिशों के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने आईएसपीआर की प्रेस कॉन्फ्रेंस को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया और कहा कि पीटीआई अपने संस्थापक के खिलाफ लगाए गए आरोपों का जवाब नहीं देगी। उन्होंने कहा, 'आज हमें बताया जा रहा है कि देश के सबसे लोकप्रिय नेता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं, जो कि हास्यास्पद है।' राजा ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने के प्रयासों का इतिहास पाकिस्तान में कई बार देखा गया है। उन्होंने कहा कि सैन्य शासन कभी भी समृद्धि नहीं ला सका और लोकतंत्र, कानून और संविधान के खिलाफ कथित तर्क हमेशा गलत साबित हुए। पीटीआई के अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली ने भी आईएसपीआर की टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि यह लोकतंत्र के लिए 'दुर्भाग्यपूर्ण' है। उन्होंने कहा कि मौजूदा माहौल बदलना चाहिए, वरना नुकसान केवल इमरान खान का नहीं बल्कि सभी का होगा। गोहर ने कहा कि पीटीआई हमेशा लोकतंत्र, शांति और कानून के शासन के पक्ष में रही है और इमरान हमेशा कहते रहे हैं कि पाकिस्तान और उसकी सेना जनता की हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मौजूदा हालात जारी रहे तो लोकतंत्र को सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा।

पुतिन की भारत यात्रा ट्रंप की नाकामी पेंटागन के पूर्व अधिकारी का बड़ा बयान

वॉशिंगटन। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रूबिन ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा को अमेरिका में ट्रंप की बड़ी कूटनीतिक नाकामी माना जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि 65% अमेरिकी ट्रंप को नापसंद करते हैं। रूबिन ने रूस से भारत के तेल

आयात का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिका खुद मॉस्को से व्यापार करता है और भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को प्राथमिकता देने में सही है। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रूबिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को बहुसंख्य अमेरिकी नागरिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोर नाकामी के रूप में देख रहे हैं। अमेरिकी नागरिक ट्रंप को पसंद नहीं करते। रूबिन ने दावा किया कि हालिया सर्वे में पाया गया है कि अमेरिका के 65 प्रतिशत लोग ट्रंप को नापसंद करते हैं। अमेरिकी पूर्व अधिकारी ने कहा कि रूस से रियायती तेल खरीदने पर भारत को लेक्चर देकर अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि वॉशिंगटन खुद मॉस्को के साथ व्यापार में शामिल है। उन्होंने नई दिल्ली की अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देने की स्थिति को सही ठहराया। पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने अमेरिका की कड़ी आलोचना तब की जब उनसे नई दिल्ली दौरे के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस टिप्पणी के बारे में पूछा गया कि मॉस्को बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की बिना रुकावट आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और उसकी अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। उन्होंने अगस्त में भारतीय आयात पर अमेरिका की तरफ से 50% टैरिफ लगाने की आलोचना की। वाशिंगटन का दावा है कि यह तेल यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध प्रयासों को बढ़ावा देता है। रूसी तेल खरीद पर अमेरिका कर रहा पाखंड रूबिन ने खास बातचीत में कहा, जो बात अमेरिकियों को समझ नहीं आती, वह यह है कि भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि हम रूस से खरीदते हैं। हम ऐसे सामान और मटीरियल खरीदते हैं जिनके लिए हमारे पास कोई दूसरा बाजार नहीं है। उन्होंने कहा, अगर हम नहीं चाहते कि भारत रूसी तेल खरीदे तो हमें भारत को सस्ती कीमत पर और जितनी मात्रा में उसे जरूरत है उतनी मात्रा में ईंधन देने के लिए हम क्या करने वाले हैं? पाकिस्तान को गले लगाने पर भी सवाल पूर्व पेंटागन अधिकारी ने पाकिस्तान को गले लगाने के लिए अमेरिका के पास कोई रणनीतिक तर्क नहीं होने का दावा करते हुए कहा कि इस्लामाबाद को आतंकवाद का स्टेट स्पॉन्सर घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने जून में पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के व्हाइट हाउस दौरे पर भी आपत्ति जताई और कहा कि मुनीर को अमेरिका में गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

पश्चिम अफ्रीकी देश की कमान अब सेना के हाथ

कॉटोनू (बेनिन)। पश्चिम अफ्रीका के बेनिन में एक समूह सैनिकों ने स्टेट टीवी पर सरकार को भंग करने की घोषणा की। लेफ्टिनेंट कर्नल पास्कल टिग्री को सैन्य समिति का प्रमुख बनाया गया। पश्चिम अफ्रीका के देश बेनिन में बड़े राजनीतिक उलटफेर की खबर सामने आई, जब एक समूह सैनिकों ने स्टेट टीवी पर अचानक उपस्थिति दर्ज कराते हुए सरकार को भंग करने की घोषणा कर दी। सैनिकों ने खुद को मिलिटरी कमेटी फॉर रिफाउंडेशन बताया और दावा किया कि देश के राष्ट्रपति तथा सभी राज्य संस्थानों को हटा दिया गया है। सैनिकों के बयान के अनुसार, लेफ्टिनेंट कर्नल पास्कल टिग्री को नई सैन्य समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। टीवी पर यह घोषणा आते ही पूरे देश में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। बेनिन का इतिहासः तख्तापलट कोई नई बात नहीं फ्रांस से 1960 में स्वतंत्रता मिलने के बाद बेनिन ने कई सैन्य तख्तापलट देखे हैं। स्वतंत्रता के बाद शुरूआती दशकों में राजनीतिक अस्थिरता बनी रही। हालांकि 1991 के बाद, माथ्यू केरेकू के दो दशक लंबे शासन के बाद देश में अपेक्षाकृत स्थिर लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित हुई थी। राष्ट्रपति तालोन का कार्यकाल राष्ट्रपति पैट्रिस तालोन 2016 से सत्ता में थे और अगले वर्ष अप्रैल में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के बाद पद छोड़ने वाले थे। उनकी पार्टी के उम्मीदवार, पूर्व वित्त मंत्री रोमुल्ड वाडागनी, चुनाव में सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे थे। वहीं, विपक्षी उम्मीदवार रेनॉड अग्बोड्जो को चुनावी आयोग ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उनके पास आवश्यक संख्या में स्पॉन्सर्स नहीं थे, जिससे चुनाव पर पक्षपात के आरोप लगे। पिछले महीने देश की संसद ने राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया, हालांकि कार्यकाल की अधिकतम सीमा दो ही रखी गई है। इस कदम को लेकर राजनीतिक विवाद पहले से ही गर्म था। पश्चिम अफ्रीका में तख्तापलट का बढ़ता सिलसिला बेनिन में यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब पश्चिम अफ्रीका पहले से ही लगातार सैन्य तख्तापलट की चपेट में है। पिछले सप्ताह गिनी-बिसाऊ में भी सेना ने राष्ट्रपति उमरो एम्बालो को हटा दिया था, जहां चुनाव परिणामों को लेकर दोनों प्रमुख उम्मीदवारों ने खुद को विजेता घोषित कर दिया था।

गोवा अग्निकांड में 25 की मौत बीते एक दशक में नाइट क्लबों में लगी आग ने छीनी सैकड़ों जिंदगियां

नई दिल्ली। गोवा में एक नाइट क्लब में लगी भीषण आग में 25

लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में नाइट क्लब के स्टाफ के 14 लोग और चार पर्यटक शामिल हैं। सात अन्य की पहचान की जा रही है। आइए जानते हैं बीते एक दशक में नाइट क्लबों में हुए बड़े अग्निकांड के बारे में उत्तरी गोवा के अरपोरा स्थित बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में रविवार तड़के लगी भीषण आग में अब तक 25 लोगों की मौत हो गई है। इस अग्निकांड में 6 लोग जख्मी भी हुए हैं। हादसे को लेकर गोवा सरकार ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। हादसे के बाद अभी तक 18 शवों की ही पहचान हो सकी है। गोवा के नाइट क्लब में लगी आग ने इस साल मार्च में उत्तरी मैसेडोनिया के एक नाइट क्लब में लगी भीषण आग की भयावह यादें ताजा कर दीं, जिसमें 62 लोगों की जान चली गई थी। बीते एक दशक में नाइट क्लबों में हुए अग्निकांडों की सूची अक्टूबर 2015 में रोमानिया के बुखारेस्ट स्थित कोलेक्टिव नाइट क्लब में आग लगने से 64 लोगों की मौत हो गई थी। मेटलकोर बैंड गुडबाय टू ग्रेविटी के प्रदर्शन के दौरान आतिशबाजी से क्लब के आग लग गई थी। दिसंबर 2016 में कैलिफोर्निया के ओकलैंड में 'घोस्ट शिप' गोदाम में लगी आग ने 36 लोगों की जान ले ली थी। ओकलैंड के इतिहास की सबसे भीषण आग एक डांस पार्टी के दौरान लगी थी। जनवरी 2022 में कैमरून के याउंडे स्थित एक नाइट क्लब में आग लगने से 16 लोगों की मौत हो गई थी। क्लब में शैंपेन परोसे जाने के दौरान जलाए गए पटाखों के कारण आग लगी थी। जनवरी 2022 में इंडोनेशिया के पश्चिमी पापुआ प्रांत के सोरोंग नाइट क्लब में आग लगने से 19 लोगों की मौत हो गई थी। क्लब के अंदर हुए दो गुटों के बीच झड़प के बाद इसे आग लगा दी गई थी। अगस्त 2022 में थाईलैंड के बैंकॉक में माउंटेन बी नाइट क्लब में आग लगने से 23 लोग जलकर मर गए थे। इस नाइट क्लब में शॉर्ट सर्किट या इसी तरह की किसी वजह से आग लगी थी। अक्टूबर 2023ः स्पेन के मर्सिया में एक नाइट क्लब परिसर में आग लगने से 13 लोगों की मौत हो गई थी। इस नाइट क्लब में बिजली की खराबी के चलते अग्निकांड हुआ था। अप्रैल 2024 में इस्तांबुल के मास्करेड नाइट क्लब में आग लगने से 29 लोगों की मौत हो गई थी। आग उस समय लगी जब क्लब को नवीनीकरण कार्य के लिए बंद किया गया था। मार्च 2025 में उत्तरी मैसेडोनिया के एक नाइट क्लब में आग लगने से 62 लोगों की मौत हो गई थी। क्लब के अंदर आतिशबाजी की चिंगारी छत से टकराने से ये हादसा हुआ था।

ताइवान के करीब चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां

ताइपे (ताइवान)। ताइवान ने अपने क्षेत्र के आस-पास दो चीनी विमान और सात नौसैनिक जहाजों की गतिविधि दर्ज की, साथ ही एक गुब्बारा भी देखा गया।

शनिवार को भी चीन के 29 विमान और छह जहाज ताइवान के पास सक्रिय दिखे। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उसके क्षेत्र के आस-पास चीनी सेना (पीएलए) के दो विमान उड़ान भरते हुए और सात नौसैनिक (पीएलएएन) जहाज गतिविधि करते हुए दिखाई दिए। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी देखा गया। मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक ताइवान के आसपास पीएलए के दो विमानों और पीएलएएन के सात जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी पाया गया। ताइवान के रक्ष बलों ने स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया दी। शनिवार को ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़ गईं। उस दिन चीन के 29 लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और छह नौसैनिक जहाजों की गतिविधि देखी गई। इस बीच, जो बाइडन प्रशासन के पूर्व रक्षा अधिकारी एलि रैटनर ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बयान को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ताइवान की रक्षा में जापान के शामिल होने की संभावना पर चीन की प्रतिक्रिया अनुचित है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक, एलि रैटनर 2021 से इस वर्ष तक हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा सचिव थे। उन्होंने कहा कि ताइवान पर टिप्पणी कर ताकाइची ने केवल जापान की आधिकारिक नीति दोहराई है।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी विमानों पर दो बार लॉक किया रडार

टोक्यो। जापान ने लड़ाकू विमानों पर रडार लॉक को लेकर चीन के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। जापनी रक्षा मंत्री ने इसे बेहद खतरनाक बताते कहा कि यह कदम सुरक्षित सैन्य उड़ान संचालन की सीमा से बाहर है। चीन के एक सैन्य विमान ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। जापान ने आज इस घटना को लेकर चीन के सामने विरोध दर्ज कराया है। चीनी सैन्य विमान ने विमानवाहक पोत लियानओनिंग से उड़ान भरी थी। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री के ताइवान पर दिए बयान के बाद दोनों देशों के संबंध खराब हो गए हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 'लियाओनिंग' से उड़ान भरने वाले जे-15 लड़ाकू विमान ने शनिवार को दो बार जापान के एफ-15 विमानों पर अपना रडार लॉक किया। पहली बार देर दोपहर करीब तीन मिनट के लिए और दूसरी बार शाम में लगभग 30 मिनट तक रडार लॉक किया गया। हालांकि जापान के हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और न ही किसी तरह का नुकसान हुआ।

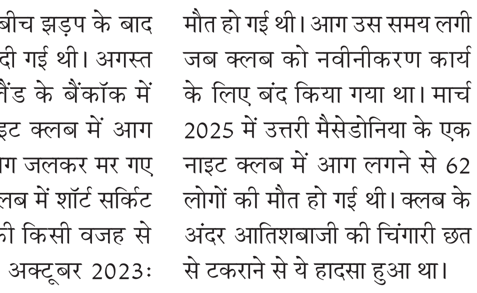

रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने इसे 'बेहद खतरनाक हरकत' बताया। उन्होंने कहा कि चीन का यह कदम सुरक्षित सैन्य उड़ान संचालन की सीमा से बाहर है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। चीन पहले ही जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के उस बयान पर नाराजगी जता चुका है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर चीन ताइवान पर कोई कार्रवाई करता है तो जापान भी इसमें शामिल हो सकता है। घटना के दौरान लियाओनिंग ओकिनावा और मियाको द्वीपों के बीच से गुजर रहा था और वह प्रशांत महासागर में विमान संचालन का अभ्यास कर रहा था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।